राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

अगर आप भी हैं टमाटर खाने ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 11 मई 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 140 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

गहलोत के सामने फिर लगे मोदी–मोदी के नारे, पीएम ने इशारा कर लोगों को कराया शांत

पीएम मोदी ने 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजस्थान में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मंच साझा किया और नाथद्वारा में एक जनसभा को संबोधित किया। अशोक गहलोत का नाथद्वारा रैली में श्मोदी–मोदीश के नारों के साथ स्वागत किया गया। हालांकि, इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों से शांत रहने का इशारा भी किया। दरअसल, जैसे ही अशोक गहलोत आपना भाषण देने के लिए उठे, वहां मौजूद लोगों ने मोदी–मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। वैसे मंच पर मोदी और गहलोत के बीच अच्छी केमिस्ट्री देखने को मिली। गहलोत ने रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी का स्वागत

किया और कहा कि विकास के मामले में गुजरात से पिछड़ने वाला राजस्थान अब आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी का स्वागत करता हूं। मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री आज राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे है। कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकतंत्र में कोई दुश्मनी नहीं है। यह विचारधारा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि देश में लोगों के बीच शांति और सद्भाव होना चाहिए। हिंसा विकास को रोकती है। साथ ही साथ गहलोत ने कहा कि विपक्ष के बिना सरकार नहीं होती इसलिए विपक्ष का सम्मान किया जाना चाहिए। गहलोत ने यह बाते कर के कहीं ना कहीं भाजपा पर भी निशाना साध दिया। वहीं, प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे देश में कुछ लोग ऐसी विचारधारा के शिकार हो चुके हैं, इतनी नकारात्मकता से भरे हुए हैं, देश में कुछ भी अच्छा होते वे देखना ही नहीं चाहते। उन्हें विवाद खड़ा करना ही अच्छा लगता है। मोदी ने कहा कि नकारात्मकता से भरे हुए लोगों में न दूरदृष्टि होती है और न ही वे राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि दूरदृष्टि के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर न बनाने का नुकसान राजस्थान ने भी खूब उठाया है। इस मरुभूमि में कनेक्टिविटी के अभाव में आना–जाना कितना मुश्किल होता था... ये आप भलिभांति जानते हैं। इस कारण यहां खेती किसानी, व्यापार, कारोबार सब कुछ मुश्किल था।

हज हाउस में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाय : मोहसिन रजा

लखनऊ (आरएनएस)। हज सत्र–2023 हेतु की जाने वाली प्रबंधकीय व्यवस्थाओं के संबंध में जिलाधिकारी, लखनऊ सूर्यपाल गंगवार जी की अध्यक्षता में सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें उ0प्र0

राज्य हज समिति के अध्यक्ष मोहसिन रजा जी विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि हज यात्रियों को हज यात्रा में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो तथा हज हाउस लखनऊ में विद्युत आपूर्ति, जलापूर्ति, हज यात्रियों के ठहरने, चिकित्सा, परिवहन आदि सुविधाओं से संबंधित कार्यों को सुचारू ढंग से संपादित किया जाय। बैठक में मोहसिन रजा ने कहा कि 21 मई से 06 जून, 2023 तक प्रस्तावित हज यात्रा–2023 में प्रदेश के हज यात्रियों को सकुशल हज यात्रा सम्पन्न कराने के लिए सभी अधिकारी अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से करें। बैठक में निर्णय लिया गया हज हाउस परिसर तथा एयरपोर्ट पर कार्यकारी मजिस्ट्रेट की राउण्ड–दी–क्लॉक उपस्थिति सुनिश्चित करने व अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाय। हज हाउस परिसर, यात्रा मार्ग तथा एयरपोर्ट पर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं राउण्ड–दी–क्लॉक सुनिश्चित करने, लखनऊ–कानपुर राजमार्ग पर यातायात को भली–भांति नियंत्रित करने, पार्किंग व्यवस्था, हज हाउस के प्रवेश द्वारा पर भीड़ नियंत्रित करना, यात्रियों के पासपोर्ट स्थल पर सुरक्षाकर्मी तैनात करना तथा पुलिस उपायुक्तध्अपर पुलिस आयुक्त को नोडल अधिकारी नामित किये जाने का निर्णय लिया गया।

बेवकूफी का उदाहरण... कर्नाटक मेनिफेस्टो में कांग्रेस की बजरंग दल प्रतिबंध योजना पर सीतारमण ने कसा तंज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अपने घोषणापत्र में श्बजरंग बलीश का उल्लेख करके श्बेवकूफी का उदाहरण प्रदर्शित किया है। कांग्रेस तब 10 मई के चुनावों के लिए घोषणापत्र में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (च्थ्) के साथ बजरंग दल को जोड़ने के लिए भाजपा और दक्षिणपंथी संगठनों से बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही थी। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, निर्मला सीतारमण अपना वोट डालने के लिए मतदान करने आई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में

बजरंग बली का उल्लेख मूर्खता का एक उदाहरण है। सीतारमण ने कहा कि हम हमेशा हनुमान चालीसा पढ़ते हैं और बजरंगबली की पूजा करते हैं, लेकिन वे (कांग्रेस) चुनाव के दौरान ऐसा करते हैं। सीतारमण ने कहा कि कर्नाटक हनुमान जी का जन्म स्थान है... घोषणापत्र में लिख रहे हो.. बेवकूफी का उदाहरण इस से ज्यादा कुछ हो नहीं सकता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, आईटी उद्योग के दिग्गज एन आर नारायण मूर्ति के साथ पत्नी सुधा मूर्ति, और मैसूरु शाही परिवार के सदस्य श्राजामातेश प्रमोदा देवी वाडियार, कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जल्दी मतदान करने वालों में शामिल थे। इस रिपोर्ट को दाखिल करने के समय, कर्नाटक ने लगभग 21 प्रतिशत मतदान दर्ज किया था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती 13 मई को होगी।

महाराष्ट्र राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

आदित्य ठाकरे बोले: हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट कल फैसला सुना सकता है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि पीठ कल दो फैसले सुनाएगी। मार्च में, सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने 2022 के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट के संबंध में दायर

याचिकाओं के एक बैच पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। संकट एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट का शिवसेना से अलग होकर शुरू हुआ। इस कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई और शिवसेना का विभाजन हो गया। बाद में एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गए।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। संविधान का पालन करने से ही देश को फायदा होगा। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले बुधवार को कहा कि मौजूदा राज्य सरकार के पास बहुमत है, चाहे कोई भी फैसला आए। उन्होंने कहा कि मेरे स्पीकर बनने के बाद, यह सरकार बहुमत परीक्षण में सफल रही। संख्या बल के हिसाब से देखें तो इस सरकार के पास बहुमत है, चाहे कोई भी फैसला आए। नारवेकर ने मंगलवार को कहा था कि विधायकों की अयोग्यता के संबंध में निर्णय विधानसभा अध्यक्ष का विशेषाधिकार है।

इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास पर कई कंपनियों से चर्चा: नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास के लिए वह कई कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। गडकरी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टिकाऊ विकास ही अंतिम लक्ष्य है और इसके लिए परिवहन के क्षेत्र में कम लागत वाली, प्रदूषण–मुक्त और स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास की जरूरत है। उन्होंने टिकाऊ कारोबारी मॉडल बनाने के लिए बड़ी कंपनियों से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''कल ही मैंने आर्थिक रूप से व्यवहार्य इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाने के बारे में टाटा और कुछ अन्य पक्षों के साथ चर्चा की।'' गडकरी ने कुछ समय पहले इलेक्ट्रिक राजमार्गों के विकास की संकल्पना पेश की थी। गडकरी ने कहा, ''जिस तरह से हमारे शहरों का विकास हो रहा है, उसमें हमें आखिरकार अपने शहरी कानूनों में संशोधन करने की जरूरत पड़ेगी। बेंगलुरु जैसे शहर में लोगों को दफ्तर पहुंचने में दो घंटे लग जाते हैं।''

पीएम मोदी की मौजूदगी में बोले सीएम गहलोत, लोकतंत्र में कोई दुश्मनी नहीं, यह लड़ाई विचारधारा की है

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राजस्थान दौरे पर हैं। राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 4 राष्ट्रीय राजमार्ग और 3 रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद रहे। राजस्थान में इस साल विधानसभा के चुनाव है। पीएम को दौरे को भी इस चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। वहां मुक्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहता है। अशोक गहलोत ने पीएम मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आज राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे परियोजनाओं को समर्पित कर रहे है... पहले हम गुजरात से मुकाबला करते थे और महसूस करते थे कि हम पिछड़ रहे हैं लेकिन अब हम आगे बढ़ गए हैं। कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकतंत्र में कोई दुश्मनी नहीं है। यह विचारधारा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि देश में लोगों के बीच शांति और सद्भाव होना चाहिए। हिंसा विकास को रोकती है। साथ ही साथ गहलोत ने कहा कि विपक्ष के बिना सरकार नहीं होती इसलिए विपक्ष का सम्मान किया जाना चाहिए। गहलोत ने यह बाते कर के कहीं ना कहीं भाजपा पर भी निशाना साध दिया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सरकार के सुशासन के कारण राजस्थान आर्थिक विकास के मामले में देश में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण कार्य अभी नही हो सका शुरू, नगर पालिका परिषद उतरौला में उत्साह नही

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला बलरामपुर। अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिए आदर्श नगर पालिका परिषद उतरौला की एम आर एफ योजना के लिए प्लान्ट का निर्माण शुरू नहीं हो सका। न. पा.प ने इस योजना का टेन्डर निकाल दिया है लेकिन निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका। शासन ने आदर्श नगर पालिका परिषद उतरौला के लिए मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी अर्थात एम आर एफ योजना के लिए ग्राम देवरिया मैनहा में लगभग दो एकड़ ग्राम पंचायत की भूमि का चयन किया। लगभग 33 लाख रुपए की लागत से बनने वाले प्लान्ट में सूखा कूड़ा एकत्रित कर रिसाइकिल किए जाने की योजना है। उसके बाद गीले कूड़े से कम्पोस्ट खाद बनाकर किसानों को सस्ते दर पर खाद बेचने की योजना है। आदर्श नगर पालिका परिषद उतरौला के पच्चीस वार्ड में लाखों लोग रहते हैं। इनके कूड़े को एकत्रित करने के लिए जगह जगह गीला सूखा कूड़ा एकत्रित करने के लिए अलग अलग डस्टबीन नपाप उतरौला ने रखवा दिया है। इस डस्टबीन में नगरवासी कूड़ा फेक देते हैं। इस कूड़े को सफाई कर्मी उठाकर नपाप उतरौला के बाहर निश्चित स्थान पर फेंक देते हैं। इस कूड़े को सफाई कर्मी गोण्डा मोड़,डाक बंगला,बरदही बाजार,पिपरा रोड, फक्कड़ दास मंदिर, डुमरियागंज रोड, तहसील परिसर, मुंसिफ मजिस्ट्रेट उतरौला न्यायालय परिसर व पुरानी तहसील के पास समेत कई जगहों पर कूड़ा प्रबंधन की ठोस व्यवस्था न होने से जगह जगह गन्दगी का ढेर लगा रहता है। सबसे अधिक कूड़ा हाटन रोड पर सड़क के दोनों ओर इकट्ठा रहता है। कूड़ा प्रबंधन न होने से इस सड़क पर चलने वाले राहगीरों को भीषण दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। भीषण दुर्गंध से तमाम तरह की बीमारी फैलने की आंशका बनी रहती है। वरिष्ठ अधिवक्ता बीरेंद्र सिन्हा ने नवनियुक्त डीएम डा.महेंद्र सिंह के समाधान दिवस में आने पर इसकी शिकायत की थी और आरोप लगाया कि नगर में क ई जगह एकत्र कूड़े के कूड़ा प्रबंधन की ठोस व्यवस्था न होने से शहर की गन्दगी दूर नहीं हो पा रही है। जिस पर डीएम ने नपाप के अधिशासी अधिकारी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मान्यता प्राप्त स्कूलों में एंव प्राइवेट स्कूलों के मनमानी से आम नागरिक हो रहा परेशान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

तुलसीपुर,बलरामपुर। शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूलों में तथा गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में जहां एडमिशन के नाम पर कक्षा पास में बच्चों से भी एडमिशन फीस ली जा रही है वही अभिभावक इनकी मनमानी शर्तों के आगे झुकने को मजबूर हैं जरवा रोड स्थित मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूल में एडमिशन के बाद भी एडमिशन के नाम पर दोबारा 600रु एडमिशन फीस मांगा जा रहा है जिससे अभिभावकों में रोष है! अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को शिक्षा दिलाना अब एक टेढ़ी खीर हो गई है बच्चों की फीस एक तो वैसे बहुत ज्यादा है दूसरी तरफ ट्यूशन पढ़ाना पड़ता है स्कूलों में प्रैक्टिकल के नाम पर भी अच्छी खासी रकम ली जाती है कभी टूर के नाम पर तो कभी एनुअल फंक्शन के नाम पर तमाम रकम ली जाती है स्कूलों से ही ड्रेस वगैरह तथा आई कार्ड के नाम पर भी 100, ध्200 ले लिया जाता है स्कूलों की सेटिंग कपड़ा की दुकानों पर भी है जहां से ही ड्रेस मिलेगा टाइ जूते इत्यादि भी तथा हर दिन के हिसाब से शर्ट टी शर्ट अलग–अलग रंग के वगैरा भी स्कूल से ही प्राप्त होता है तथा अंकपत्र वटी सी के नाम पर भी वसूली होती है वहीं दूसरी तरफ स्कूलों से किताब की दुकानों पर अटैच स्कूलों का मनमाना रवैया लोगों को परेशान कर रहा है कई अभिभावकों ने बताया कि किताबो की दुकानों पर किताब के साथ काफी वा अन्य स्टेशनरी लेना आवश्यक है अन्यथा खाली किताबें नहीं मिलेंगी जबकि अभिभावकों का कहना है वैसे भी इस समय किताबों का मूल्य बहुत ही ज्यादा बढ़ा हुआ है अलग से कॉपी लेने पर सस्ती मिल जाती है किंतु किताब के साथ लेने कापियों का मूल्य बहुत ज्यादा है दुकानदारों की सेटिंग स्कूलों से होने के बाद उन्हें भी स्कूलों में कमीशन के नाम पर काफी पैसा देना पड़ता है जबकि शासन की तरफ से कहां गया है कि स्कूल में सिर्फ शिक्षा दी जाए ना कि उनके कपड़े जूते मुझे किताब कापियां वगैरह बेची जाएं दोबारा एडमिशन फीस भी ना लिया जाए उक्त बातें हैं कुछ दुकानदारों ने दबी जुबान में कहा अपनाना नाम लेने की भी बात कही जबकि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दोबारा एडमिशन फीस के लिए गैरकानूनी बताया गया है

आक्रोशित वकीलों ने किया न्यायिक कार्य का बहिष्कार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला/बलरामपुर। वकीलों के खिलाफ दर्ज मुकदमे में पुलिस द्वारा आरोप पत्र न्यायालय पर प्रेषित किए जाने की सूचना पर आक्रोशित वकीलों ने सोमवार को न्यायालय पर न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। उसके बाद वकीलों का एक प्रतिनिधिमंडल जिला जज व पुलिस अधीक्षक बलरामपुर से मिलकर उन्हें अपना प्रतिवेदन दिया। एक दलित लेखपाल ने कोतवाली उतरौला में अधिवक्ता संघ उतरौला के महामंत्री गयासुद्दीन खां व वकीलों के समूह के खिलाफ दिनाक 23 दिसंबर 2022 को अपराध संख्या 342ध्22 धारा 147ध्504506ध्352 भादंसं व दलित उत्पीड़न का मुकदमा दलित लेखपाल बृजेश कुमार ने दर्ज कराया था। इस घटना पर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने लगभग तीन महीने तक आन्दोलन करके चक्का जाम,क्रमिक अनशन के साथ जेल भरो आंदोलन किया था। उसके बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम ने लेखपाल बृजेश कुमार का स्थानांतरण राजस्व अभिलेखागार बलरामपुर को कर दिया था। कोतवाली उतरौला पुलिस उक्त घटना की विवेचना कर रही थी। वकीलों का आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा जांच करके अधिवक्ता गयासुद्दीन खां, आर के सिंह व अन्य के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय पर प्रेषित कर दिया है। पुलिस द्वारा न्यायालय पर वकीलों के खिलाफ भेजे गए आरोप पत्र की जानकारी मिलने पर वकीलों में आक्रोश फैल गया। अधिवक्ता संघ उतरौला की बैठक में किए गए निर्णय पर वकीलों ने सोमवार को न्यायिक कार्य का बहिष्कार करके अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जिला जज व पुलिस अधीक्षक से मिलने गए हुए है। अधिवक्ता संघ उतरौला अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह ने बताया कि जिला जज व पुलिस अधीक्षक से मिलने के बाद आन्दोलन पर निर्णय लिया जाएगा।

उतरौला ब्लॉक में तीन दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला/बलरामपुर। सोमवार को उतरौला

ब्लॉक के उतरौला ग्रामीण में तीन दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।खंड विकास अधिकारी सुमित सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में 22 राज मिस्त्रीओं को तकनीकी जानकारी से लैस किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर अमित कुमार राज मिस्त्री को भूकंप रोधी घर, मकान, भवन बनाने तथा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के बारे में तथा सोक पिट, नाडेप, कंपोस्ट पिट, वर्मी, और आरआरसी सेंटर, गड्ढा वाला जलबन्द शौचालय निर्माण की तकनीकी जानकारी देंगे। इस दौरान राजमिस्त्रियों से मौके पर निर्माण भी करवाकर उसका अवलोकन किया जाएगा। एडीओ पंचायत हनुमान प्रसाद ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले राजमिस्त्री को कुशल कारीगरध्मजदूर का प्रमाण पत्र दिया जाएगा जिसके बाद उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में आसानी होगी। उन्होंने घर–घर शौचालय निर्माण में दो लीज पीट वाले शौचालय को पर्यावरण के लिए हितकारी बताया। उतरौला ग्रामीण प्रधान प्रतिनिधि कुरबान अली,ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र कुमार,तकनीकी सलाहकार तौफीक खान, देवेश पटेल, ब्लॉक कोआर्डिनेटर पवन तिवारी, विकास सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षक व शिक्षिकाओं तथा बच्चों को लेकर गोष्टी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। ब्लॉक संसाधन केंद्र झंझरी गोंडा पर खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी कुमार गुप्ता के निर्देशन में ए आर पी संजीव मिश्रा, हेमंत सिंह, राहुल वर्मा अशोक सिंह और मोहम्मद अनीश की उपस्थिति में न्याय पंचायत के संकुल शिक्षकों के साथ वर्तमान में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी अकादमिक योजनाएं के लिए प्राप्त निर्देशों के अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु विचार विमर्श किया गया और शिक्षकों तक उक्त जानकारियों को पहुंचाने का निर्णय किया गया, एसआरजी कमलेश पांडे जी ने जनपद को निपुण बनाने के लिए संचालित हो रहे समस्त प्रकार के शासनादेश पर विस्तृत रूप से जानकारी दी साथ ही साथ खंड शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी गुप्ता जी ने प्रत्येक विद्यालय में शिक्षक डायरी ,टीचिंग प्लान, 50 दिन का रेमिडियल क्लास (जूनियर विद्यालयों के लिए) कक्षा 4–5 आधारभूत गणित व भाषा का रिमेडियल क्लास, कक्षा 2–3 में शिक्षक संदर्शिका, कक्षा –1 में रेडीनेश कक्षाओं का संचालन व नोडल अध्यापकों द्वारा बाल वाटिका का संचालन होना बताया गया, संकुल टीचर के विद्यालयों को जुलाई तक निपुण बनाना है एवं ए0आर0पी0द्वारा गोद लिए गए विद्यालयों को दिसंबर माह तक निपुण विद्यालय घोषित किया जाना है।

पतरी व छप्पर के नीचे रहकर अपना गुजर बसर करने को विवश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उतरौला/बलरामपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

जीरो टालरेंस की नीति पर कार्य कर रहे हैं। और बीच बीच में सभी को इस पर चलने को आगाह भी करते रहे हैं। वहीं ब्लाक के कुछ कर्मी उनकी नीतियों को हवा में उड़ाकर अपनी कमाई का जरिया बना लिए हैं। प्रधानमंत्री आवास पाने के लिए पात्र लोग दर दर भटक रहे हैं। पात्रता सूची में नाम होने के बावजूद जिम्मेदारों के अनदेखी के चलते उनको आज तक आवास नही दिया गया।जबकि वर्ष 2017 की पात्रता की सूची में नाम दर्ज बताया जा रहा है। शहर बानों ने एक अदद आवास की मांग को लेकर कई बार विकास खंड के अधिकारियों से मिलकर अपनी व्यथा सुना चुके हैं। मामला उतरौला विकास खंड के ग्राम सुरैहिया देवर का है। जहां शहर बानो पत्नी समीर कच्चे मकान मे प्लास्टिक ताल पतरी व छप्पर के नीचे रहकर अपना गुजर बशर करने को विवश हैं। आलम यह है कि बरसात के दिनों में और भी समस्या बढ़ जाती है जब बारिश का पानी घरों में भर जाता है और विषैले जानवरों का खतरा बढ़ जाता है।उन्हें सर छुपाने के लिए एक अदद छत नुमा आवास की दरकार है।

मतगणना हेतु कार्मिकों का प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 आगामी मतगणना 13 मई को सकुशल, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण डीपीआरसी सभागार में प्रभारी अधिकारी कार्मिकध् मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के अनुपालन में जिला विकास अधिकारी गिरीश चंद पाठक की मौजूदगी में संपन्न हुआ। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि मतगणना के बाद सभी अभिलेखों का बंडल मतपत्रों को आरओ द्वारा सील किया जाएगा। इस दौरान गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक को मतगणना से संबंधित बारीकी जानकारी दी गईद्य नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन अध्यक्षध् सदस्य पद हेतु मतगणना प्रारूप की विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें प्रारूप 36 क, 36 ख, 36 ग व प्रारूप 37 का विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक मतगणना दिनांक 13 मई 2023 को ससमय, नियत स्थल पर गणना हेतु उपस्थित रहेंगे तथा आयोग द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे, इसमें किसी प्रकार की हीला हवाली ना बरती जाए। आज कुल 330 कार्मिकों का प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन डीपीआरसी सभागार विकास भवन में किया गया जिसमें 66 गणना पर्यवेक्षक, 198 सहायक गणना पर्यवेक्षक व 66 अतिरिक्त गणना पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण कराया गया जिसमें 3 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। मास्टर ट्रेनर चंदन पांडे, मोहित देव, अरुण कुमार मिश्र, पंकज कुमार पांडे द्वारा कार्मिकों को मतगणना से संबंधित बारीकीधविस्तृत जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया।इस दौरान डीपीआरओ निलेश प्रताप सिंह, संजीव कुमार सोनी, पंकज कुमार पांडे, अखिलेश कुमार तिवारी, अमित कुमार सिंह, रोहन, श्याम व कार्मिक मौजूद रहे ।

मतगणना हेतु कार्मिकों का प्रशिक्षण संपन्न

गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर,तुलसीपुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 आगामी मतगणना 13 मई को सकुशल, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण डीपीआरसी सभागार में प्रभारी अधिकारी कार्मिकध् मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के अनुपालन में जिला विकास अधिकारी गिरीश चंद पाठक की मौजूदगी में संपन्न हुआ।मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि मतगणना के बाद सभी अभिलेखों का बंडल मतपत्रों को आरओ द्वारा सील किया जाएगा।इस दौरान गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक को मतगणना से संबंधित बारीकी जानकारी दी गईद्य नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन अध्यक्षध्सदस्य पद हेतु मतगणना प्रारूप की विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें प्रारूप 36 क, 36 ख, 36 ग व प्रारूप 37 का विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि गणना पर्यवेक्षक एवं सहायक गणना पर्यवेक्षक मतगणना दिनांक 13 मई 2023 को ससमय, नियत स्थल पर गणना हेतु उपस्थित रहेंगे तथा आयोग द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे, इसमें किसी प्रकार की हीला हवाली ना बरती जाए। आज कुल 330 कार्मिकों का प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन डीपीआरसी सभागार विकास भवन में किया गया जिसमें 66 गणना पर्यवेक्षक, 198 सहायक गणना पर्यवेक्षक व 66 अतिरिक्त गणना पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण कराया गया जिसमें 3 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए।मास्टर ट्रेनर चंदन पांडे, मोहित देव, अरुण कुमार मिश्र, पंकज कुमार पांडे द्वारा कार्मिकों को मतगणना से संबंधित बारीकीधविस्तृत जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया।इस दौरान डीपीआरओ निलेश प्रताप सिंह, संजीव कुमार सोनी, पंकज कुमार पांडे, अखिलेश कुमार तिवारी, अमित कुमार सिंह, रोहन, श्याम व कार्मिक मौजूद रहे।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा महोदय श्री आकाश तोमर द्वारा जनपद में वांछितध् वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्षो को दिये थे। उक्त आदेश के क्रम में थानाध्यक्ष प्रबोध कुमार के कुशल निर्देशन मु0अ0 स0 88ध्11, धारा 147ध्148ध्447ध्452ध्323ध्504ध्325ध्506 भादवि में गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तगण 1 राम बहादुर पुत्र राजाराम 2. सिया राम पुत्र किशनलाल निवासीगण सीहागांव थाना मोतीगंज जनपद गोंडा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी राम बहादुर पुत्र राजाराम वा सियाराम पुत्र किशन लाल निवासी ग्राम सीहा गांव थाना मोतीगंज जनपद गोंडा गिरफ्तार करता टीम उप निरीक्षक सुनील कुमार रावत हेड कांस्टेबल राजकरण कांस्टेबल विकास कुमार शामिल रहे गिरफ्तार वांछित अभियुक्त को न्यायालय रवाना कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया इन दोनों के खिलाफ बहुत पुराने मामले में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना कर दिया।

भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर देने पर उतारू:शिवपाल सिंह यादव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव आज एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जाते समय गोंडा में समाजवादी पार्टी के नेता सूरज सिंह आवास पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की उसके बाद इटियाथोक स्थित पूर्व जिला अध्यक्ष सपा सुरेश कुमार शुक्ल के लड़के के तिलक समारोह में रामदेव प्रसाद शुक्ल बालिका इंटर कॉलेज पहुंचे जहां उनका कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि भाजपा सरकार फर्जी मुकदमों में फंसाकर विपक्ष को खत्म करना चाहती है।प्रयागराज मामले पुलिस द्वारा अतीक अहमद की पत्नी शहिस्ता परवीनको माफिया बताने के सवाल पर बोलते हुये कहा कि भाजपा का एजेंडा है विपक्ष को समाप्त करना क्योंकि भाजपा के लोग लोकतंत्र और संविधान को नहीं मानते। उन्होंने द केरला फिल्म के सवाल पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने योगी सरकार पर सियासी प्रहार करते हुये कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारें महंगाई,भ्रष्टाचार ,बेरोजगारी व अन्य मुद्दों पर बोलना नहीं चाहती। उन्होंने सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप मढ़ते हुये कहा कि भाजपा के इशारे आमजन को जानबूझ कर वोट तक नहीं दिया जा रहा है।अमेठी में निकाय चुनाव के दौरान सपा विद्यालय द्वारा एक प्रत्याशी संग की गयी मारपीट के वायरल वीडियो को लेकर किये सवाल का जवाब देते शिवपाल ने कहा कि अनशन पर बैठे विधायक से दुर्व्यवहार और गाली गलौज के बाद घटना घटी। शिवपाल यादव ने कैसरगंज के भाजपा और भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों द्वारा लगाये गये आरोपों के सवाल पर जवाब देने से बचते नजर आये। इस अवसर पर गोंडा बलरामपुर सहित क्षेत्र के कई समाजवादी नेता उपस्थित रहे ।

भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील

बिस्कोहर। नगर पंचायत चुनाव के मतदान को शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन आखिरी क्षण में अलर्ट मोड में दिखा। बुधवार शाम को त्रिलोकपुर एसओ सूर्य प्रकाश सिंह की अगुवाई में एसएसबी और पुलिस फोर्स के जवानों ने थाना क्षेत्र के बिस्कोहर नगर के विभिन्न रूट पर पैदल मार्च कर जनता को सुरक्षा का एहसास कराया। उन्होंने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। कस्बा बिस्कोहर, देवीपुर, सिक बुजुर्ग, कोहडौरा, सिकौथा आदि स्थानों पर मय दंगा नियंत्रण उपकरण के साथ फ्लैग मार्च किया। इस दौरान चौकी प्रभारी बिस्कोहर राकेश कुमार त्रिपाठी, पप्पू गुप्ता, शिव दास गौतम, प्रमोद कुमार पांडेय, जयहिंद राजभर, अजय यादव, आशीष आदि एसएसबी व पुलिस के जवान मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत,फंदे से लटकता मिला शव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कहोबा,चौराहा गोण्डा। करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के चचरी पुलिस चौकी अन्तर्गत एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई,जिसका शव फंदे से लटकता पाया गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को अनिल पुत्र जग प्रसाद निवासी ग्राम गुमदहा द्वारा पुलिस को सूचना देकर बताया गया कि गया उसके छोटे भाई की पत्नी रूमा पत्नी रामू उम्र करीब 35 वर्ष जो फांसी लगा ली है, जिसके कारण उसकी मौत हो गई है। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तथा शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेजवाया।

अल्लीपुर गोकुला में लगी आग,फायर बिग्रेड सहित पुलिस मौके पर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोण्डा। करनैलगंज तहसील क्षेत्र के करनैलगंज कोतवाली अन्तर्गत अल्लीपुर गोकुला (टपरी) में अचानक आग लग गई। जिससे धनीराम पुत्र संगम, बदन पुत्र शालिगराम , रामकुमार पुत्र, अलख राम, ललित राम पुत्र नवरे, हंसराम पुत्र निर्णय निवरे, चेतराम पुत्र निवरे सहित अन्य लोगो के छप्पर और भुसैला जलकर कर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से फायर बिग्रेड टीम के साथ पहुंचे कर्मियों ने जैसे तैसे आग पर काबू पाया। वहीं आग लगने की सूचना पर डायल 112 टीम व हल्का लेखपाल सरवन कुमार भी मौके पर पहुंच गए।

श्री मद भागवत कथा के चौथे दिन भक्त ध्रुव के कथा का हुआ वर्णन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज। डुमरियागंज नगर पंचायत के तेलियाना मोहल्ले में चल रहे श्री मद भागवत कथा के चौथे दिन अवध धाम से पधारे स्वामी उत्तम कृष्ण शास्त्री जी ने परीक्षित श्राप एवं सृष्टि की रचना में देवहुति संवाद की कथा को सुनाया और भक्त ध्रुव जी की कथा को सुनाते हुए कहा कि भजन करने की कोई उम्र या सीमा नहीं होती है भगवान की भक्ति भजन हर समय हर उम्र में

किया जा सकता है ध्रुव 5 वर्ष के ध्रुव ने कठिन तपस्या कर भगवान को प्राप्त किया और भगवान हरि ने दर्शन देकर के ध्रुव जी को संसार की सारी विद्या ज्ञान प्रदान किया, प्रभु जब कृपा करते हैं तो गूंगा बोलने लगता है लंगड़ा पहाड़ चढ़ जाता है,अंधा देखने लगता है, जिस पर प्रभु की कृपा हो जाती है उस पर दुनिया कृपा करती है जा पर कृपा राम की होई, ता पर कृपा करे सब कोई, इसके साथ महाराज जी ने समस्त भक्तों को भागवत कथा के रसपान से होने वाले लाभ के बारे में भी सभी भक्तों को बताया ध्इस अवसर पर यज्ञाचार्य पंडित गिरिराज किशोर शास्त्री,पंडित वेद प्रकाश शास्त्री सहित मुख्य यज्ञमान परीक्षित, हरिश्चन्द्र साहू, मोलहू, राजू, संजीव, पिंटू, सोनू, मोनू, संदीप, रंजीत, राम लौटन, ऋषि, मुनि, राम सागर, सुन्दर लाल आदि लोग मौजूद रहे।

अचार संहिता पालन के लिए पुलिस सक्रिय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनाव का मतदान आज होगा चुनाव प्रचार प्रसार मंगलवार को शाम पांच बजे से बंद कर दिया गया जिसके बाद से पुलिस पूरी तरह से सक्रिय हो गई है और आचार संहिता का पालन कराने में जुट गई है विभिन्न चौराहों पर वाहनों को चेकिंग शुरू कर दी गई है यह जानकारी थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने दी है उन्होंने बताया अचार संहिता को प्रभावित करने वाली वस्तुओं की गहन जांच की जा रही है ।शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस कटिबद्ध है।

क्रय केंद्रों पर सन्नाटा, तस्करी कर नेपाल पहुंच रहा भारत का गेहूं

सिद्धार्थनगर। जिले में सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद का बुरा हाल है। केंद्रों पर सन्नाटा छाया हुआ है। एक–एक बोरी गेहूं के लिए केंद्र प्रभारी किसानों से अपील कर रहे हैं। जबकि भारत में पैदा होने वाला गेहूं गैर कानूनी तरीके से नेपाल में पहुंच रहा है।

नेपाल में गेहूं का भाव बढ़ा तो तस्करों ने गेहूं बार्डर पार पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया है। सीमा पर कई बार गेहूं की खेप पकड़ी जा चुकी है। यह पुलिस की कार्रवाई में सामने आ चुका है। तस्करी के पीछे का कारण, भारतीय और नेपाल के बाजार भाव में 400 से 600 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर है। इसलिए तस्करों को अनाज की तस्करी भा रही है। भारतीय बाजार में 2100 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं बिक रहा है, जबकि बार्डर पार पहुंचते ही यह कीमत 2500 से 2700 रुपये हो जाती है।

नेपाल सीमा से लगने वाली जिले की 68 किलोमीटर सीमा पूरी तरह से खुली हुई है। यहां बिना रोक–टोक के दोनों देश के लोग आते–जाते हैं। लेकिन देशविरोधी तत्व दोनों देशों में बिकने वाली वस्तु की जब भी मांग बढ़ती है तो उसकी तस्करी शुरू कर देते हैं। चाहे वह सोना–चांदी और अन्य सामान हो या फिर अनाज। जिसमें मुनाफा और मांग बढ़ी, उसे इस पार से उस पार ले जाने का काम शुरू हो जाता है। सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों के अलावा सीमावर्ती थानों की पुलिस तैनात रही है। लेकिन, सीमा खुली होने के कारण तस्कर पगडंडियों का भी सहारा लेते हैं। पिछले एक माह से तस्करों ने अनाज तस्करी शुरू कर दी है। नेपाल में गेहूं का भाव बढ़ा तो भारतीय बाजार की फसल नेपाल में पहुंचाने लगे। अबतक कई बार सीमावर्ती क्षेत्र में बार्डर पार करने की कोशिश करते हुए एसएसबी और पुलिस की ओर गेहूं की खेप पकड़ी जा चुकी है। लेकिन यह थमने का नाम नहीं ले रही है।अगर जल्द तस्करी नहीं रुकी तो इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि जनपद में भी खाने के लिए गेहूं की किल्लत हो जाएगी।

बीते दिनों सीमा पर पकड़ी गई गेहूं की खेप – 15 दिन पहले एसएसबी और पुलिस ने खुनुवां बार्डर के करहिया के टोला फकीर डीह से ट्रैक्टर–ट्रॉली में लदा 100 बोरी गेहूं पकड़ा था। जो नेपाल जा रहा था। इसमें तीन लोग पकड़े गए थे।

– 27 अप्रैल को मोहाना पुलिस ने सीमा पार करने की कोशिश करते हुए एक पिकअप पकड़ा था। उसमें 50 बोरी गेहूं बरामद हुआ था। जिसे कस्टम को सुपुर्द कर दिया था।

– मोहाना क्षेत्र में ही ककरहवा बार्डर क्षेत्र से तीन बार बाइक और साइकिल से गेहूं ले जाते कई लोगों को पुलिस पकड़कर कार्रवाई कर चुकी है।

बड़ी खेप पकड़ी गई तो बदल दिया तस्करी का तरीका

जब गेहूं की बड़ा खेप पकड़ी जाने लगी तो तस्करों ने पैंतरा बदल दिया। अब तस्कर कैरियर का सहारा लेने लगे हैं। बेरोजगारों को पकड़कर 50 रुपये बोरी दे रहे हैं। बस उन्हें साइकिल से गेहूं इस पार से उस पार करना होता है। जितना चक्कर उतना रुपया मिल जाता है। यह इसलिए कि सुरक्षा एजेंसियां भी किसान बताने पर छोड़ देती हैं।

एक स्थान पर होता है स्टोर, फिर नेपाल की मंडी में पहुंचता है गेहूं: तस्कर की ओर से तैयार किए गए कैरियर को यह बताया जाता है कि यहां से लेकर फलां स्थान पर गेहूं ले जाकर रखना है। निर्धारित स्थान पर जब कई बोरियां पहुंच जाती हैं तो इसके बाद खेप को एक गाड़ी में लादकर नेपाल की मंडी में पहुंचाया जाता है। जहां पर उसका भाव लगता है।

भाव के हिसाब से लगता है टैक्सः नगर निवासी गल्ला कारोबारी रमेश कुमार ने कहा कि एक बोरी पर डेढ़ प्रतिशत सरकारी टैक्स लगता है। जो मौजूदा भाव के हिसाब से प्रति क्विंटल 30–35 रुपये पड़ रहा है। जब बाजार में रेट बढ़ेगा तो उसी हिसाब से टैक्स भी बढ़ जाता है। नेपाल जाने पर जहां भाव अधिक मिल जाता है, वहीं एक हजार बोरी पर बिना कुछ किए ही 30 हजार रुपये बच जाएगा।

प्रतिदिन लाखों के राजस्व नुकसानः नाम नहीं छापने की शर्त पर एक बड़े गल्ला कारोबारी ने बताया कि ककरहवा, हरिवंशपुर, खुनुवां, बजहा और आगे तक तस्करों का जाल फैला हुआ है। जो बड़ी मात्रा में गेहूं बार्डर पर करने का कार्य कर रहे हैं। प्रतिदिन 20 लाख रुपये से अधिक राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं, जिले में गल्ला का कारोबार करने वाले व्यापारी गेहूं पा ही नहीं रहे हैं। क्योंकि तस्कर यह रेट चढ़ाकर खरीद ले रहे हैं। उस रेट पर खरीद करने पर यहां लाभ होगा ही नहीं। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। सरकारी क्रय केंद्र पर अब तक इतनी हुई खरीदः जिले में 90 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित हुआ है। खरीद शुरू हुए 40 दिन बीत चुके हैं। लेकिन अभी तक 469 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद ही हो पाई है। खरीद को 50 दिन शेष हैं। लक्ष्य पूरा करने के लिए क्रय केंद्र प्रभारी किसानों के बीच जा रहे हैं। इसके बाद भी वह केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। घर पर ही खरीद ले रहे गेहूं: सरकार की ओर से इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2125 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित हुआ है। सरकारी क्रय केंद्र पर बेचने के लिए किसानों को भाड़ा देकर ले जाना पड़ेगा। तौल का भी खर्च लगेगा। जबकि आढ़त वाले घर से ही 2150–2200 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीद ले रहे हैं। तौल का भी खर्च नहीं ले रहे हैं। ऐसे में किसान घर पर ही गेहूं बेच दे रहा है। 400–600 रुपये प्रति क्विंटल मुनाफाः नेपाल के गल्ला बाजार के मुताबिक वहां पर मौजूदा समय में भारतीय मुद्रा के हिसाब से 2500–2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं बिक रहा है। किसी किसी दिन रेट कम हो जाता है तो किसी से 50–100 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर आ जाता है। वहीं जब आटा पिसकर तैयार हो रहा है तो 3400–3600 रुपये क्विंटल में बिकता है।

मजबूत सरकार के लिए पहले मतदान, फिर करेंगे जलपान

सिद्धार्थनगर। निकाय चुनाव के लिए बुधवार सुबह सात बजे से जिले के नौ नगर पंचायत और दो नगर पालिका क्षेत्र में मतदान होगा। मतदान करने के लिए गृहिणियां बहुत ही उत्साहित हैं। उनका कहना है कि मतदान करके पहले लोकतंत्र का मजबूत बनाएंगे, फिर जाकर भोजन बनाएंगे। मतदान करने का अवसर बार–बार नहीं आता है। नगर की सरकार चुनने के लिए पांच वर्ष का इंतजार करना पड़ता है। नगर की मजबूत सरकार बनाने के लिए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, जिससे अच्छा जनप्रतिनिधि हमारा मुखिया बने और विकास की ओर नगर आगे बढ़े। हम लोगों ने ठाना है, पहले मतदान, फिर घर आकर करेंगे जलपान।

बोली मतदाता महिलाएंः नगर की सरकार बनाने के लिए सुबह से वोटिंग शुरू हो जाएगा। हम तो सुबह सबसे पहले मतदान करने जाएंगे। इसके बाद ही घर आकर भोजन बनाएंगे। मजबूत सरकार बनाने के लिए मतदान को प्राथमिकता दें।

लकड़ी के पोल पर टिकी बिजली आपूर्ति

भारतभारी। हर माह करोड़ों रुपये वसूली करने वाला विद्युत निगम उपभोक्ताओं को सुविधा देने के नाम पर उदासीन बना है। हाल यह है कि डुमरियागंज क्षेत्र में कई जगहों पर बांस व लकड़ी के पोल सहारे ही बिजली आपूर्ति हो रही है। क्षेत्र के हल्लौर गांव में झुके हुए पोल जर्जर तार के सहारे आपूर्ति होने से लोगों में डर बना हुआ है। लेकिन विद्युत निगम की लापरवाही व उदासीन रवैया ऐसा लगता है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। हवा का एक तेज झोंका आते ही पोल कभी भी गिर सकता है। पोल के आसपास बच्चों का खेलते रहते हैं। जिससे दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। लकड़ी का पोल पूरी तरह से सड़ चुका है, कभी भी किसी के ऊपर गिर सकता है। उपभोक्ता विद्युत निगम के अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन पोल नहीं बदला जा रहा है। उपभोक्ता मनोज गौतम, गादुर प्रसाद, लालता प्रसाद, राधेश्याम गौतम, गणपत गौतम, सुरेश गौतम, निब्बू लाल आदि ने पोल बदलने की मांग की है। लोगों ने कहा है कि जल्द पोल नहीं बदला गया तो समाधान दिवस में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पोखरा जमौता मार्ग जर्जर, राहगीर परेशान

भारतभारी। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के जबजौआ से पोखरा जमौता को जाने वाला मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका और गिट्टियां उखड़ गईं हैं। इस मार्ग पर एक डिग्री कॉलेज भी है। जिससे छात्र–छात्राओं को आने–जाने में परेशानी होती है। इस मार्ग पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। इस मार्ग से कई गांव के लोगों का आवागमन होता है। लंबाई तीन किलोमीटर की है। राहगीरों का कहना है कि इस मार्ग के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों से कहा गया। मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया है। गांव के रामकेश, सतीश कुमार ने बताया कि समाधान दिवस में भी कई बार शिकायत की गई। कोई सुनवाई नहीं हुई है।

हृदयगति रुकने से शिक्षक का निधन

सिद्धार्थनगर। जामिया दारूल उलूम सिसहनिया, चिल्हिया के अरबी व उर्दू शिक्षक मौलाना गयासुद्दीन सल्फी का हृदय गति रूकने से निधन हो गया। उनके पैतृक गांव कोलपुर ग्रांट मैनहवा के निजी कब्रिस्तान में मंगलवार को उन्हें सुपुर्द खाक किया गया। जनाजे के नमाज में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। उनके निधन पर रेलवे स्टेशन स्थित जामा मस्जिद में उनके गुनाहों के माफी की दुआ की गई।

ठेकेदार से मांगा मजदूरी तो पुलिस से पिटवायाः लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के ऊंजी मुस्तहकम पुरवा लटेरा निवासी हरिकेश यादव ने उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाया है। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी हर्रैया को दिये पत्र में हरिकेश यादव ने कहा है कि उसके गांव में पानी के टंकी का निर्माण हो रहा है। ठेकेदार सबेन्द्र सिंह के कहने पर उसने अपना एक कमरा 1500 रूपये महीने के किराये पर दे दिया और खुद 8 हजार पांच सौ रूपये महीने पर रात्रि में चौकीदारी और दिन में 350 रूपये प्रतिदिन पर मजदूरी करने लगा। ठेकेदार ने हरिकेश यादव को एक वर्ष में केवल तीन हजार रूपया दिया। जब हरिकेश ने ठेकेदार से बकाया रूपये की मांग किया तो उसके अनुसार ठेकेदार ने उमरिया चौकी इंचार्ज को प्रभाव में लेकर उसे धमकियां दिलवाई और पुलिस ने अकारण मारा पीटा। पुलिस की पिटाई से हरिकेश के कान में गंभीर चोटे आयी है। इस दौरान ठेकेदार ने ग्राम प्रधान रमेश यादव और सुनील यादव से सांठगांठ कर कमरे से सारा सामान निकलवा लिया। हरिकेश ने अपने बकाया लगभग एक लाख 64 हजार 650 रूपया ठेकेदार से दिलाने, दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय दिलाने की मांग किया है। हरिकेश यादव ने पत्र में कहा है कि जब उमरिया पुलिस ने उसे चौकी पर बैठाया रखा था उस दौरान ठेकेदार के लोग उसके घर से उसका भी जरूरी सामान बरतन आदि उठा ले गये। हरिकेश ने अपने बकाये रूपये की मांग करते हुये परिवार के जान माल के रक्षा की भी गुहार लगाया है। उसे आशंका है कि ठेकेदार और पुलिस मिलीभगत कर उसे और उसके परिवार को फर्जी मामलों में फंसाकर प्रताड़ित कर सकते हैं। ठेकेदार ने नौकरी दिलाने की लालच देकर उससे काम लिया और अब पैसा मांगने पर धमकिया दी जा रही है।

मतदान को लेकर 24 पोलिंग बूथों पर पहुंची पार्टियां

रुधौली। गुरुवार को होने वाले मतदान को लेकर सभी 24 पोलिंग पार्टियां तहसील प्रांगण से मतपेटियां लेकर बूथों पर पहुंच गईं। नगर पंचायत में दस मतकेंद्रो पर कुल 24 बूथ बनाए गए हैं। चौदह बूथ अति संवेदनशील है तथा नौ बूथ संवेदनशील है, एक सामान्य है। पोलिंग पार्टिया रवाना होने के दौरान सुपर जोनल मजिस्ट्रेट / एसडीएम आनन्द सिह श्रीनेत, सीओ प्रीति खरवार, तहसीलदार केसरी नंदन त्रिपाठी एवं प्रभारी प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मौजूद रहे।

निकाय चुनावः मतदान आज, 305 बूथों पर पहुंची पोलिंग पार्टिया

घूंघट व पर्दानशीन महिलाओं की पहचान के लिए मुस्तैद रहेंगी सुरक्षाकर्मी

बस्ती। जिले की दस निकायों की सभी 305 बूथों पर पोलिंग पार्टियां बुधवार को पहुंच गई। साथ ही मतदान की सभी व्यवस्थाएं भी चाक–चौबंद कर ली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि नगर निकाय चुनाव के तहत 11 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

चुनाव पर माइक्रो आब्जर्वर निगाह रखेंगे। इसके अलावा 149 वीडियोग्राफी टीमें लगाई गई हैं। निकाय क्षेत्र में अलग से 105 माइक्रो आब्जर्वर लगाए गए हैं। इसके अलावा 15 लाइव वेब कास्टिंग और 305 वीडियोग्राफर लगाए हैं। डीएम ने बताया कि सभी बूथ केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए छाया, पानी सहित सभी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही मतदाता निष्पक्ष और भयमुक्त होकर मतदान कर सके इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी बूथ व केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी मतदाताओं से भयमुक्त होकर मतदान करने के लिए कहा है। डीएम ने बताया कि एक पोलिंग पार्टी में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय शामिल हैं। संबंधित रवानगी स्थलों से ये पार्टियां मतपेटी एवं मतदान सामग्री सहित बूथों के लिए रवानगी कराई गई सभी अपने–अपने बूथों पर पहुंच गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आयोग की गाइड लाइन के अनुसार चुनाव संपन्न कराने को कहा कि बैलेट बाक्स जब तक जमा कर स्ट्रांगरूम में सील न करा लिया जाए अधिकारी तब तक पूरी मुस्तैदी से अपनी–अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे। मतदान कर्मी अपने–अपने पोलिंग बूथों पर निवास करेंगे तथा किसी भी दशा में अपने पोलिंग सेंटरों पर किसी भी अन्य व्यक्ति का आतिथ्य स्वीकार न करेंगे। अन्यथा वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। आयोग के निर्देश पर मंगलवार शाम छह बजे से ही शराब के सभी ठेके बंद हो गए हैं। ये सभी 11 मई को मतदान के बाद शाम छह बजे खुलेंगे। इसके बाद 12 मई को शाम छह बजे ठेके फिर बंद हो जाएंगे। जो मतगणना खत्म होने पर खुलेंगे। घूंघट व पर्दानशीन महिलाओं की पहचान के लिए बूथों पर महिला सुरक्षाकर्मी मुस्तैद रहेंगी। डीएम–एसपी देर शाम काफिले के साथ भ्रमण कर मतदान स्थलों का निरीक्षण करते रहे। अधिकारियों ने कहा कि निकाय चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जायेंगे। कोई आचार संहिता का उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। शांति पूर्वक चुनाव कराना हमारा दायित्व है और हम इसे पूरी ईमानदारी से पूरा करेंगे। अधिक से अधिक संख्या में मतदान करके लोकतंत्र के इस महायज्ञ में अपने वोट की आहूति देकर लोकप्रिय मनपसंद शहरी सरकार बहुमत के साथ चुने पहले मतदान फिर जलपान को प्राथमिकता दें।

–बूथ एजेंटों का दिन भर तैयार होता रहा बस्ता

प्रचार थमने के बाद प्रत्याशी बूथों के प्रबंधन में जुट गए। बूथ एजेंट का बस्ता तैयार करने की प्रक्रिया मंगलवार रात से लेकर बुधवार को दिन भर चलता रहा। प्रमुख सियासी दलों के अलावा छोटी पार्टियां व निर्दल कंडीडेट के बस्ते बहुत कम ही दिखे हैं।

– पांच नगर पंचायतों में पहली बार चुनाव

नवसृजित पाँच नगर पंचायतों मुंडेरवा,गायघाट,गनेशपुर,नगर बाजार व कप्तानगंज में पहली बार चुनाव हो रहा है। अभी तक यहां की जनता ग्राम प्रधान व सदस्य का चुनाव करती थी। इस बार ग्राम पंचायत की जगह नगर पंचायत पंचायत चेयरमैन व सभासद को पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुनेंगी।

–ड्यूटी कटवाने की जुगत में लगे रहे कार्मिक

मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होती रहीं लेकिन कार्मिक अंतिम वक्त में भी ड्यूटी कटवाने की जुगत में लगे हैं। मंगलवार को भी तमाम कार्मिक सरकारी कार्यालयों में ड्यूटी की सूची से नाम कटवाने के लिए दौड़ लगाते रहे। ड्यूटी से मुक्त करने को लेकर सबके अपने–अपने तर्क हैं। कुछ ने स्वजन की बीमारी का बहाना बनाया है तो किसी ने घर या रिश्तेदारी में मांगलिक कार्यक्रम का हवाला देकर ड्यूटी से मुक्ति चाही है। सीडीओ व प्रभारी कार्मिक डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने उचित आधार पाए जाने पर ही कुछ कार्मिकों की ड्यूटी काटने काटने का निर्देश दिया और उनके स्थान पर रिजर्व में रहे कार्मिक को भेजा गया।

कंट्रोल रूम में करें फोनः कलक्ट्रेट में 24 घंटे कंट्रोल रूम का संचालन हो रहा है। डीडीईओ कमलेश बाजपेयी ने बताया कि कोई भी व्यक्ति शिकायत, सुझाव या चुनाव से जुड़े किसी भी मामले में फोन 05542–247132 किया जा सकता है। इसके अलावा चुनाव प्रेक्षक के मोबाइल नं 9839513202 पर भी चुनाव संबंधी बात कर सकते हैं।

चिलचिलाती धूप ने बढ़ाई प्रत्याशियों की बेचौनी

बीता चुनाव नवंबर में होने के बावजूद आधे से कम मात्र 49 फीसदी मतदाता बूथों पर पहुंचे थे। चिलचिलाती धूप ने प्रत्याशियों की बेचौनी बढ़ी दी है। घरों में एसी,कूलर व पंखे लगातार आराम कर रहे आम शहरी को इस बार बूथों तक लाने में सियासी दलों के पसीने छूट रहे हैं उन्हें इस बार पिछले चुनाव की तुलना में कम मतदान का भय सता रहा है। चिलचिलाती धूप देख प्रत्याशियों की बेचौनी बढ़ गई है।

मतदाता के हाथ में रहेगी 11 घंटे की कमान

अब गुरुवार को बारी मतदाताओं की है। पहली बार निकाय चुनाव में मतदाता 11 घंटे यानी सुबह सात से लेकर शाम छह बजे तक कमान संभालेंगे। मतदान केंद्र पर सुबह–शाम ही ज्यादा भीड़ जुटने के आसार हैं। प्रत्याशी इसलिए परेशान हैं क्योंकि वर्ष 2017 में नवंबर माह में निकाय चुनाव हुआ था। ठीकठाक मौसम था फिर भी शहर के 51 फीसदी मतदाता वोट डालने घर से नहीं निकले थे। जिले की एक नगर पालिका व नौ नगर पंचायत में अध्यक्ष की 10 सीटों पर 116 व सभासद के 153 पदों के लिए 989 प्रत्याशी मैदान में हैं। दो लाख 81 हजार 302 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। पिछले एक पखवारे से प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में दिन रात एक कर दिया है।

– वोट डालने के लिए 15 विकल्प हैं मान्य

कोई दस्तावेज जो परिवार के मुखिया के पास हो, वे परिवार के दूसरे सदस्यों की पहचान के लिए भी वैध माने जाएंगे। बशर्ते सभी सदस्य एक साथ आते हैं और उन सदस्यों की पहचान परिवार के मुखिया करेंगे। चुनाव आयोग से जारी फोटो पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आयकर पहचान पत्र, राज्य केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों अथवा पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले फोटोयुक्त पहचान पत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, पोस्ट ऑफिस से जारी फोटोयुक्त पासबुक, फोटोयुक्त पेंशन अभिलेख से भी वोट डाल सकता है।

– चार सुपर जोन में बांटा गया जनपद

– जिले के सभी दस निकायों में सकुशल चुनाव कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस लिया है।

चार सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती डीएम ने की है जिसमें सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, डीएफओ नवीन शाक्य, सीआरओ ज्ञानप्रकाश त्रिपाठी व एसडीएम रुधौली आनंद सिंह शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 12 जोनल मजिस्ट्रेट और 25 सेक्टर मजिस्ट्रेट की देख रेख में मतदान कराया जाएगा। इनके ऊपर चार सुपर जोनल की पैनी नजर रहेगी, साथ ही निकायवार निर्वाचन अधिकारी बनाए गए हैं। निकायों में पोलिंग बूथों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चौकसी बरती जा रही है। पोलिंग बूथों को चार श्रेणियों सामान्य, संवेदनशील, अतिसंवेदनशील व अति संवेदनशील प्लस में विभाजित किया गया है।

कार्मिको को दिया गया चुनावी भत्ता

पीठासीन अधिकारी व मतदान अधिकारी के लिए चुनाव भत्ता का अलग–अलग स्लैब आयोग की ओर निर्धारित है उसी के अनुसार प्रिजाइडिंग अफसर को 15 सौ, पोलिंग अफसर प्रथम को 1150, द्वितीय को नौ सौ तथा पोलिंग अफसर तृतीय को छह सौ का भुगतान करा दिया गया है। एक पोलिंग बूथ पर 42 सौ रूपए खर्च किए गए हैं। कुल 305 बूथों पर 12 लाख 81 हजार रूपए वितरित किए गए हैं।

सम्पादकीय

केजरीवाल जेल गए तब भी उनका वोट सुरक्षित!

इसलिए लोकसभा की सात सीटें जीतने के बाद मोदी सरकार दिल्ली विधानसभा चुनाव तक आप को लडने लायक नहीं रहने देगी। सोचें, यदि डेढ़ साल केजरीवाल, सिसोदिया जेल में रहे, दिल्ली–पंजाब की उनकी सरकारों को लाचार बना दिया या भंग और खत्म कर दिया तो उस स्थिति में भक्त वोटों के होते हुए भी क्या आप चुनाव लडने ...

भाजपा यदि आम आदमी पार्टी को तोड़ डाले, उसकी मान्यता खत्म कर दे तो अलग बात है वरना दिल्ली और देश में केजरीवाल के जो वोट बने थे वे जस के तस हैं! बहुत हैरानी हुई मुझे राजस्थान के मध्य वर्ग परिवार और दिल्ली की झुग्गी–झोपड़ बस्तियों से काम के लिए कॉलोनी में आने वाली महिलाओं की चर्चा सुन कर। मैं मान रहा था कि अरविंद केजरीवाल के घर की शानो–शौकत, 45 करोड़ रुपए के खर्च की बदनामी से उनके भक्तों में मोहभंग हुआ होगा। लेकिन उलटी बात सुनने को मिली। भक्तों की एक ही बात, एक ही तर्क है। और वह यह कि केजरीवाल ने नरेंद्र मोदी और अडाणी के खिलाफ बोला इसलिए उसे ऐसे बदनाम कर रहे हैं। हां, नरेंद्र मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल के ग्राफ का फर्क गजब है। केजरीवाल के साथ दिल्ली में उनकी सरकार का काम (खासकर स्कूल, बिजली, पानी) लोगों में जस का तस चर्चित है वही नरेंद्र मोदी अपनी सरकार की मैसेजिंग में फेल हैं। उस नाते दिल्ली के विधानसभा चुनाव 2020 में केजरीवाल को जो 54 प्रतिशत वोट मिले थे उनमें मध्य उच्च वर्ग के परंपरागत मोदी विरोधी घरों में भले मोहभंग हो और वे कांग्रेस की तरफ मुड़ें लेकिन झुग्गी–झोपड़ी, गरीब वर्ग में टीवी चौनलों के केजरीवाल एक्सपोजर का कोई अर्थ नहीं है। सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया या अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से आप के दिल्ली वोटों पर फर्क नहीं पडने वाला है। मोदी–शाह को या तो दिल्ली विधानसभा खत्म करनी होगी या आम आदमी पार्टी की मान्यता को उद्धव ठाकरे की शिव सेना की तरह रद्द कराना होगा तभी दिल्ली में भाजपा का मतलब बनेगा। सवाल है मोदी–शाह को तो सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात सीटें चाहिए। अपना मानना है उसमें भाजपा को दिक्कत नहीं होगी। पहली बात, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर एलायंस में चुनाव लड़ें, इसके फिलहाल आसार नहीं हैं। दूसरी बात, 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आप को 18 प्रतिशत तथा कांग्रेस को मिले 22 प्रतिशत वोट का कुल जोड़ भी भाजपा के 57 प्रतिशत वोटों से बहुत पीछे था। इसलिए नरेंद्र मोदी के करिश्मे में पहले तो भारी गिरावट हो, फिर कांग्रेस–आप मिल कर साझा चुनाव लड़ें तब जरूर लोकसभा सीटों पर कांटे की टक्कर बनेगी। भाजपा का केजरीवाल पार्टी को खत्म करने का मिशन केजरीवाल की सियासी बला की वैयक्तिक लड़ाई में है। मोदी बनाम केजरीवाल की निजी लड़ाई है। इसलिए लोकसभा की सात सीटें जीतने के बाद मोदी सरकार दिल्ली विधानसभा चुनाव तक आप को लडने लायक नहीं रहने देगी। सोचें, यदि डेढ़ साल केजरीवाल, सिसोदिया जेल में रहे, दिल्ली–पंजाब की उनकी सरकारों को लाचार बना दिया या भंग और खत्म कर दिया तो उस स्थिति में भक्त वोटों के होते हुए भी क्या आप चुनाव लडने लायक होगी? इसलिए आजाद भारत की 75 वर्षों की राजनीति में नरेंद्र मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल की लड़ाई न केवल बेमिसाल है, बल्कि तमाम तरह की नीचताओं को लिए हुए है और इससे अपने आप वक्त दो शख्सियतों के उत्थान–पतन की गाथा बनवाएगा।

प्रभु श्री राम और भगवान शिव हिंदुओं के देवता हैं

भगवान शिव के विषय में भक्त मन बारंबार यह जानने की कोशिश करता है कि आखिरकार जब भगवान शिव स्वयं देवाधिदेव महादेव हैं तब वे किसकी उपासना में मगन रहते हैं। जानति तुमहि तुमहि होई जाहीं। अर्थात आपको वही जान सकता है जिसे आप अपना भक्त बनाकर ज्ञान देंगे। जिस पर आपकी अथाह कृपा और अनंत वात्सलता होगी। मुझ अकिंचन प्राणी भक्त पर आपकी बहुत बड़ी कृपा है। आपकी कृपा से मैं विनय कांत प्रसाद का अधिकारी हूं। और आपकी कृपा से ही इस बात को बार बार जानने की कोशिश करता रहता हूं कि आखिरकार आप किसकी आराधना में रम जाते हैं। ध्यान मग्न और शून्यता की स्थिति में आप परम ब्रह्म के रूप में रुपायित हैं। इस चराचर ब्रह्म के प्रत्येक जीवों की आत्मा में आपका वास रहता है। इसीलिए आप शिव हैं। इस सृष्टि में जीवन का संचार करने वाले शिव ही थे। आपने आदिशक्ति के मिलकर इस सृष्टि में जीवन संभव बनाया। शिव पुराण में भगवान शिव द्वारा भगवान श्री राम का ध्यान लगाए जाने का उल्लेख मिलता है। माता पार्वती ने एक बार भगवान भोलेनाथ से पूछा कि आप तो खुद सर्व शक्ति संपन्न परम ब्रह्म हैं। फिर आप समाधि में किसका ध्यान करते हैं। तत्पश्चात भगवान शिव कौशिक ऋषि के स्वप्न में आए और राम रक्षा स्तोत्र लिखने का आदेश दिया। इस पर कौशिक मुनि ने असमर्थता प्रकट की , बाद में शिव जी ने ज्ञान की शक्ति और चेतना से कौशिक ऋषि को परिपूर्ण किया और कौशिक मुनि ने राम रक्षा स्तोत्र की रचना की। तत्पश्चात भगवान शिव ने पढ़कर इसे माता पार्वती को सुनाया और कहा कि वे भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्री राम का ध्यान करते हैं। क्योंकि राम नाम का एक जाप विष्णु के सहस्त्र नाम यानि की हजारों नाम के बराबर है। इसीलिए प्रभु श्री राम ही भगवान शिव के आराध्य हैं। भगवान श्री राम आर्यों अर्थात हिंदुओं के देवता हैं इसलिए देवाधिपति महादेव भी भगवान शिव जी भी आर्यों अर्थात हिंदुओं के देवता हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र।

कश्मीर से केरल तक एक ही स्टोरी

हिंदू, मुस्लिम, ईसाई सभी यहां अमन चौन से रहते हैं। लेकिन अब उसे एक बेबुनियाद डर दिखाकर खत्म किया जा रहा है। केरला स्टोरी जिन्हें देखना है, वो देखें, लेकिन इतना ध्यान रखें कि ढाई घंटे के तमाशे में पूरी कमान खेल दिखाने वाले के हाथ में रहती है। वह जिस तरह चाहे, चीजों को प्रस्तुत करता है। इसलिए उसे पूरा सच नहीं मानना चाहिए और याद रखना चाहिए कि आधा सच सबसे खतरनाक होता है...

आतंकवाद की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म द केरला स्टोरी अपने प्रदर्शन के शुरुआती दिनों में ही जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रोजाना करोड़ों में हो रहा है। इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों के लिए मुनाफा है, लेकिन देश को इस फिल्म से और इस फिल्म के जरिए जो माहौल बनाने की कोशिश की गई है, उससे घाटा हो रहा है। फिल्म में 3 लड़कियों की कहानी दिखाई गई है, जिन्हें बहला–फुसलाकर उनका धर्म परिवर्तन किया जाता है और फिर आतंकी संगठन आईएसआईएस में उन्हें भर्ती किया जाता है। दुनिया में इस तरह की घटनाएं बहुत होती हैं। आतंकी संगठनों में शामिल करने के लिए लोगों का ब्रेन वॉश किया ही जाता है, क्योंकि कोई भी सामान्य समझ रखने वाला इंसान धर्म के नाम पर दूसरे की जान लेने या आतंक फैलाने के लिए तैयार नहीं होगा। उसे धर्मांध बनाकर ही आतंकवाद के कुत्सित इरादे सफल हो सकते हैं। धर्म परिवर्तन और आतंकवाद के इसी संबंध को दिखाकर, उसे केरल की पृष्ठभूमि से जोड़कर फिल्म बना दी गई और नाम रख दिया द केरला स्टोरी। नाम से एकबारगी धारणा यह बनती है कि यह पूरे केरल की कहानी है। इस फिल्म को बनाने के पीछे असली मकसद क्या है, क्या इससे आतंकवाद के खिलाफ कोई संदेश देना है या फिर हिंदू–मुस्लिम के बीच संदेह का वातावरण कायम करना है या ये बताना है कि केरल में हिंदू लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं, ये स्पष्ट नहीं है। लेकिन इतना तय है कि देश के चुनावी माहौल में राजनैतिक मकसद पूरा करने के लिए यह फिल्म बढ़िया जरिया बन गई है। फिल्म को हिट होना ही था, तो क्योंकि भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार करते हुए फिल्म का प्रचार भी कर दिया। उन्होंने कर्नाटक की एक रैली में इस फिल्म के बारे में कहा कि फिल्म आतंकी साजिश पर आधारित है और आतंकवाद के बदसूरत सच को दिखाती है। कांग्रेस आतंकवाद पर बनी फिल्म का विरोध कर रही है और आतंकवाद के साथ खड़ी है। कांग्रेस वोट बैंक के लिए आतंकवाद का बचाव कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह फिल्म शायद नहीं देखी होगी, क्योंकि देखी होती तो अब तक उसकी खबर भी आ जाती। वैसे भी चुनाव प्रचार की व्यस्तता में उन्हें फिल्म देखने का अवकाश नहीं मिला होगा। तो यह माना जा सकता है कि शायद फिल्म के ट्रेलर को देखकर उन्हें इस की कहानी के बारे में पता चला होगा। लेकिन ट्रेलर में जो कुछ दिखाया गया है, वह भी काल्पनिक है। फिल्म के टीजर में दावा किया गया था कि केरल की 32,000 से अधिक महिलाओं को आईएसआईएस में भर्ती किया गया था। इस आंकड़े पर सवाल उठे, आरोप लगे कि केरल को इस्लामी आतंकवाद के रूप में चित्रित करने की साजिश है, अदालत में फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की गई, तो अब निर्माताओं ने हाईकोर्ट में कहा है कि वे इस भ्रामक दावे को सोशल मीडिया से हटा देंगे। जब आंकड़ों को लेकर संदेह था तो उसे टीजर में इस तरह क्यों दिखाया गया, मानो वही कड़वी सच्चाई है। और क्यों देश के प्रधानमंत्री चुनाव जैसे गंभीर अवसर पर एक ऐसी फिल्म का जिक्र कर रहे हैं, जिसमें सच और झूठ का घालमेल है। श्री मोदी ने इस फिल्म के आधार पर आतंकवाद जैसे गंभीर मसले पर कांग्रेस की सोच को लेकर सवाल खड़े किए। प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि क्या आतंकवाद को लेकर कोई भी लड़ाई इतनी हल्की हो सकती है कि उसकी दिशा कोई फिल्म तय करे। केरल में आतंकवाद के लिए धर्मांतरण की समस्या अगर है तो इसका खुलासा राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया एजेंसियों से होना चाहिए या कोई फिल्म इस बारे में जानकारी देगी और सरकार उस मुताबिक काम करेगी। कांग्रेस ने फिल्म में आतंकवाद और धर्मांतरण के मुद्दे के ट्रीटमेंट का विरोध किया है, क्योंकि इससे केरल की छवि खराब हो रही है। लेकिन मोदीजी ने फिल्म के विरोध को आतंकवाद के साथ खड़े होने के बराबर कर दिया। ऐसा नहीं है कि पहली बार आतंकवाद की पृष्ठभूमि पर कोई फिल्म बनी हो। द्रोहकाल, माचिस, मिशन कश्मीर ऐसी न जाने कितनी फिल्में आतंकवाद की पृष्ठभूमि पर बनी हैं। लेकिन द केरला स्टोरी के जरिए कोई और ही नैरेटिव सेट करने की कोशिश दिखाई दी। ऐसी ही कोशिश कश्मीर फाइल्स में भी दिखी। उस फिल्म का भी खूब प्रचार भाजपा ने किया। कई राज्यों में फिल्म टैक्स फ्री की गई। भाजपा के बड़े नेताओं ने पूरे प्रचार के साथ इस फिल्म को देखा। जब गोवा फिल्म फेस्टिवल में इफ्फी के जूरी सदस्य नदाव लापिड ने इसे भ्रामक प्रचार करार दिया, तो उस पर खूब बवाल भी मचा। तब जूरी के एक अन्य सदस्य सुदीप्तो सेन ने लापिड के बयान से किनारा कर लिया था। अब उन्हीं सुदीप्तो सेन ने द केरला स्टोरी को निर्देशित किया है। कश्मीर फाइल्स से लेकर केरला स्टोरी तक यही माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है कि भारत में हिंदू असुरक्षित हैं, वे आतंकवाद का शिकार हैं, जो इस्लाम से संबंधित है। संदेह का यही वातावरण चुनावों के वक्त भी बनाया जाता है, ताकि धर्म की रक्षा के नाम पर लोग भाजपा को वोट दे। केरल में भाजपा लाख कोशिश के बावजूद सरकार नहीं बना पाई है। बल्कि ई.श्रीधरन जैसे सम्मानित व्यक्ति को भी भाजपा की राजनीति के कारण केरल की जनता ने नकार दिया। इस छोटे से प्रगतिशील राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन आदि में नयी ऊंचाइयां छुई हैं। यहां वामदलों के अलावा कांग्रेस का जनाधार है। राहुल गांधी को केरल के वायनाड से ही लोकसभा में जीत मिली थी।

उपरोक्त लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि घरेलू गैस के लिए मौजूदा उच्च कूप की शीर्ष कीमतें, कतर एलएनजी के अलावा, भारत में एलएनजी निर्यात के लिए निरंतर उच्च कीमत सुनिश्चित करती हैं। घरेलू गैस की कीमतों का लंबी अवधि के एलएनजी अनुबंधों या यहां तक कि एलएनजी की तत्काल खरीद से कोई लेना–देना नहीं है। रुके हुए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को लेकर भी...

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लिए युक्तिकरण और सुधार

हरदीप एस पुरी

मोदी सरकार भारतीय उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव से बचाने के लिए कई उपाय कर रही है। जनवरी, 2021 से फरवरी, 2023 के बीच अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतों में 228 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि के बावजूद, भारत में सीएनजी की कीमतों में वृद्धि को 83 प्रतिशत तक सीमित रखा गया है, जो वैश्विक वृद्धि का केवल एक तिहाई है। राजनीतिक तौर पर विरोध कहने वाले, बढ़ती कीमतों की आलोचना करने की हड़बड़ी में, यह देखने में विफल रहते हैं कि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने अपने नागरिकों को अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से बचाने के लिए कितने अच्छे कदम उठाये हैं। घरेलू प्रशासित मूल्य व्यवस्था (एपीएम), गैस आवंटन को बढ़ाने और गैर–प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से परिवहन और घरेलू क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति करने जैसे सक्रिय उपायों के माध्यम से दूरदर्शी शासन–व्यवस्था ने इसे संभव बनाया है। हाल ही में, महत्वपूर्ण एपीएम गैस मूल्य निर्धारण सुधारों की एक श्रृंखला को मंजूरी देने से संबंधित कैबिनेट निर्णय इस उद्देश्य को और आगे बढ़ाएगा। इन सुधारों के द्वारा दो प्रमुख लक्ष्यों को हासिल किया गया है – पहला, अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से भारतीयों की रक्षा करना और गैस आधारित क्षेत्रों में योजनाबद्ध पूंजीगत व्यय से जुड़े निवेश के लिए स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करना और दूसरा, अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) में नवाचार और निवेश को और बढ़ावा देना। नए घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश, 2014 की सीमाओं के कारण युक्तिकरण और सुधार (आर एंड आर) की आवश्यकता सामने आयी, जो हाल तक, चार अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर गैस की मात्रा–भारित औसत कीमत के आधार पर एपीएम की कीमतों को निर्धारित करती थी। इन कीमतों का प्रभाव एक महत्वपूर्ण समय अंतराल (6–9 महीने) के बाद पड़ता था और इससे कीमतों में उच्च अस्थिरता मौजूद रहती थी, यहां तक कि पिछले कुछ वर्षों में दो उत्पादक देशों की गैस हब कीमतों ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच एपीएम मूल्य 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा, जो नामित क्षेत्रों के लिए 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की उत्पादन लागत से बहुत कम है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम भारत में एलएनजी की कीमतों का औसत लगभग 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा था। संक्षेप में, घरेलू उत्पादन को एलएनजी की कीमतों के 20 प्रतिशत से भी कम मूल्य प्राप्त हुआ। हालांकि, रूस–यूक्रेन संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय हब की कीमतों में 400 प्रतिशत की वृद्धि के कारण सितंबर 2021 में उक्त एपीएम की कीमतें सितंबर 2021 के 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गईं, जिसका उर्वरक, बिजली और सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं के साथ–साथ राष्ट्रीय तेल कंपनियों को इस तरह की अस्थिरता से बचाने का फैसला किया, एपीएम की कीमतों को मासिक आधार पर निर्धारित किए जाने वाले भारतीय क्रूड बास्केट मूल्य के 10 प्रतिशत पर रखने के साथ–साथ नामांकन क्षेत्रों के लिए 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के अधिकतम सीमा और 4.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की न्यूनतम सीमा तय की गयी। अधिकतम सीमा पिछले 20 वर्षों के भारतीय कच्चे तेल की कीमत (लगभग 65 डॉलर प्रति बीबीएल) के 10 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है, जबकि न्यूनतम मूल्य का निर्धारण, नामांकन क्षेत्रों से गैस उत्पादन के लिए लगभग 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के उत्पादन की सीमांत लागत पर विचार करता है। अधिकांश भारतीय दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध, ब्रेंट से लगभग 13 प्रतिशत अधिक पर केन्द्रित रहे थे। एलएनजी अनुबंधों में द्रवीकरण, परिवहन और पुनर्गैसीकरण की लागतों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू गैस, एपीएम कीमतों से 10 प्रतिशत अधिक रही। इन सुधारों के बाद, घरों के लिए खाना पकाने के ईंधन (पीएनजी) की औसत लागत लगभग 10 प्रतिशत कम हो गई है और सीएनजी कीमतों में 6–7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। एक और महत्वपूर्ण लाभ, उर्वरक सब्सिडी में कमी से संबंधित है, जिसके हर साल 2000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। ये सुधार, नामांकन के परिपक्व क्षेत्रों के लिए न्यूनतम मूल्य प्रदान करके ई व पी क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे, साथ ही नामित क्षेत्रों के नए कूओं को भी प्रोत्साहित करेंगे, जो 20 प्रतिशत अधिक मूल्य प्राप्त करेंगे। ओएनजीसी और ओआईएल से उत्पादन पर निर्धारित अधिकतम सीमा पहले दो वर्षों के लिए समान रहेगी और फिर किसी भी लागत मुद्रास्फीति को समायोजित करने के लिए, इसमें हर साल 0.25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की वृद्धि होगी। ये सुधार नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) क्षेत्रों या उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपी–एचटी) क्षेत्रों की निजी कंपनियों को प्रभावित नहीं करेंगे, जिनके पास अधिकतम कीमत या फरवरी 2019 के बाद प्रस्तुत क्षेत्र विकास योजनाओं से नया गैस उत्पादन मौजूद है। उनके लिए विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता जारी रहेगी। कैबिनेट के फैसलों को बाजारों और विशेषज्ञों, दोनों तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हालाँकि, कुछ टिप्पणीकारों ने इस अखबार के एक ऑप–एड में इन सुधारों के बारे में चिंता जताई है। उनके लेख में कहा गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को यूएस–आधारित हेनरी हब की कीमतों में हाल में आयी कमी से लाभ होता, यदि रूसी गैस की कीमतों में सुधारों को लागू नहीं किया गया होता। लेख इस बात का उल्लेख करना भूल जाता है कि 2014 के नियम के तहत चार हब थे और एक हब की कीमतें, यानी ब्रिटिश–आधारित वर्चुअल ट्रेडिंग जोन नेशनल बैलेंसिंग पॉइंट (एनबीपी) अभी भी 12 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के आसपास है। इसके अलावा, वर्तमान कीमतों ने केवल अक्टूबर 2023–मार्च 2024 के अगले मूल्य चक्र में एपीएम की कीमतों को प्रभावित किया होता। नियम में हाल में हुआ बदलाव यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ताओं को लाभ, बिना किसी समय अंतराल के मिले, क्योंकि कीमत अब अर्धवार्षिक आधार के बजाय मासिक आधार पर निर्धारित की जाएगी।

एशिया कप को श्रीलंका शिफ्ट किए जाने का विरोध कर रहा पाकिस्तान, कर सकता है टूर्नामेंट का बहिष्कार

एशिया कप 2023 को लेकर विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पाकिस्तान को इसकी मेजबानी करनी थी लेकिन भारत सहित कई क्रिकेट बोर्ड के पीछे हटने के बाद पड़ोसी मुल्क को बड़ा झटका लगा है। खबर यह है कि एशिया कप को श्रीलंका में स्थानांतरित किया जा सकता है। हालांकि, पाकिस्तान इसका विरोध कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक पाक की ओर से कहा जा रहा है कि यदि एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा उनके प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाता है तो वे क्षेत्रीय टूर्नामेंट का बहिष्कार करने पर गंभीरता से विचार कर सकते है। यानि कि पाकिस्तान एशिया कप से बाहर रहने की धमकी दे रहा है। अब पाकिस्तान लगातार एशिया कप को संयुक्त अरब अमीरात में कराने की बात कर रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख

नजम सेठी ने दुबई में एशियाई क्रिकेट परिषद के अधिकारियों से मुलाकात की और एशिया कप को संयुक्त अरब अमीरात में करने के बजाय श्रीलंका में स्थानांतरित करने के कदम पर आपत्ति जताई। सेठी ने जोर देकर कहा है कि एसीसी को एशिया कप के लिए पाकिस्तान के संशोधित हाइब्रिड मॉडल प्रस्ताव कार्यक्रम को स्वीकार करना चाहिए और यदि अधिकांश सदस्य इसे कहीं और करना चाहते हैं तो इसे 2018 और 2022 की तरह संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाना चाहिए।

सूत्रों ने कहा कि सेठी ने बीसीसीआई की चिंताओं को खारिज कर दिया जिसमें एसीसी को बताया गया कि सितंबर में यूएई में खेलना बहुत गर्म होगा। पाक ने कहा कि बीसीसीआई ने अपना आईपीएल सितंबर से नवंबर 2020 में यूएई में आयोजित किया था। बीसीसीआई द्वारा दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव के कारण भारतीय टीम को पड़ोसी देश में भेजने से इनकार करने के बाद पीसीबी को एक विकल्प का प्रस्ताव देने के लिए मजबूर होना पड़ा। पीसीबी ने 'हाईब्रिड मॉडल' का प्रस्ताव दिया था जिसमें भारत अपने मैच यूएई में खेले जबकि पाकिस्तान अपने मैचों की मेजबानी घरेलू धरती पर करेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने पाकिस्तान को बड़ा झटका देते हुए सोमवार को एशिया कप को इस देश से बाहर ले जाने का फैसला किया क्योंकि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के 'हाइब्रिड मॉडल' पर टूर्नामेंट की मेजबानी करने के प्रस्ताव को सदस्य देशों ने खारिज कर दिया।

केएल राहुल की सर्जरी को लेकर आया बड़ा अपडेट, ट्वीट कर फैंस को दिया खास मैसेज

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी केएल राहुल की दाहिनी जांघ का सफल ऑपरेशन हो गया है। रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेले गए मुकाबले में केएल राहुल चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें सर्जरी करना पड़ी है। इस ऑपरेशन के बाद केएल राहुल ने उम्मीद जताई है कि वो जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

वहीं चोटिल होने के कारण वो आईपीएल के शेष सीजन से लेकर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल मुकाबले से भी बाहर हो गए है। गौरतलब है कि 31 वर्षीय राहुल फील्डिंग करते हुए लड़खड़ा कर जमीन पर गिर पड़े थे जब वो रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेल रहे थे। इसके बाद उन्हें मैदान पर दर्द से कराहते हुए देखा गया था।

सर्जरी के बाद किया अपडेट

केएल राहुल ने सर्जरी किए जाने के बाद इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि, सभी लोगों को नमस्कार। मैंने अभी अभी अपनी सर्जरी कराई है, जो सफल रही। ये सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों को धन्यवाद कि मैं सहज था और सब अच्छे से हुआ। मैं आधिकारिक तौर पर मैदान पर वापसी करने के लिए अब ठीक होने की राह पर हूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मैदान पर वापसी करने के लिए उत्सुक हूं।

आईपीएल में नहीं किया अच्छा प्रदर्शनः गौरतलब है कि आईपीएल में चोटिल होने के कारण वो टूर्नामेंट से बाहर हो गए है मगर इससे पहले तक भी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल लीग में कोई खास कमाल नहीं कर पाए थे। लीग में वो लगातार अपने फॉर्म को लेकर संघर्ष कर रहे थे। इससे पहले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी उन्होंने कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम से भी बाहर का रास्ता दिखाया गया था।

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए सौरव गांगुली, बताया विश्व का सर्वश्रेष्ठ टी 20 बल्लेबाज

आईपीएल का रोमांच अपने चरम पर है। लगातार कई बड़े मुकाबले खेले जा रहे हैं और निर्णय भी उसके शानदार आ रहे हैं। कभी पॉइंट टेबल में पिछड़ रही मुंबई इंडियंस ने शानदार वापसी करते हुए नंबर 3 की पोजीशन हासिल कर ली है। मंगलवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई के इस जीत के हीरो रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव। सूर्यकुमार यादव की पारी की जमकर तारीफ हो रही है। सूर्यकुमार यादव ने मात्र 35 गेंदों में 7 चौके और 6 छक्के की मदद से 83 रन बनाए। उन्हें इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच भी दिया गया। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी के मुरीद हो गए हैं।

सौरव गांगुली ने एक ट्वीट कर सूर्या की इस बल्लेबाजी के तारीफ की है। अपने ट्वीट में सूर्यकुमार यादव को गांगुली ने विश्व का नंबर एक टी–20 बल्लेबाज बताया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा सूर्यकुमार यादव विश्व के बेस्ट ज20 खिलाड़ी है।

इसके साथ ही उन्होंने लगाकर वह कंप्यूटर की तरह बल्लेबाजी करते हैं। 2022 में कुछ ऐसा ही भारत के पूर्व कप्तान और वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली ने ट्वीट किया था। उन्होंने भी सूर्या को समय विश्व का नंबर एक बल्लेबाज बताया था। हालांकि सूर्यकुमार यादव के लिए आईपीएल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। कुछ मुकाबलों में वह सस्ते में निपट गए थे। लेकिन पिछली छह पारियों में उनकी बल्लेबाजी शानदार रही है। इसके बदौलत मुंबई ने वापसी भी शानदार की है।

सूर्यकुमार यादव ने आरसीबी के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद कहा कि वह अपने खेल को अच्छी तरह से समझते हैं और उनके लिए मैच की परिस्थितियां अभ्यास सत्र का ही विस्तार भर हैं। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा कि मैंने नेहल से कहा कि करारे शॉट जमाओ और खाली स्थानों पर शॉट खेलो। आप मैच में जैसा खेल खेलने का इरादा रखते हैं, आपका अभ्यास भी उसी पर आधारित होता है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि मुझे किस क्षेत्र में रन बनाने हैं। हम खुले में अभ्यास करते हैं। मैं अपने खेल को अच्छी तरह से जानता हूं। मैं कुछ हटकर नहीं करता हूं।

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान के पंजाब में सेना तैनात, दंगे भड़के

मंगलवार को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद देश भर में भड़के दंगों के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में सेना को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान में पुलिस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के सैकड़ों समर्थकों को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तारी के बाद हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिससे परमाणु संपन्न देश में राजनीतिक संकट गहरा गया है। पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में सेना तैनात : पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के बाहर नाटकीय ढंग से गिरफ्तारी के बाद कई शहरों में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में सेना तैनात की गई है। खान अल–कादिर ट्रस्ट मामले में सुनवाई में भाग लेने के लिए अदालत गए थे जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि पीटीआई प्रमुख और उनकी पत्नी ने 50 अरब रुपये को वैध बनाने के लिए एक रियल एस्टेट फर्म से अरबों रुपये प्राप्त किए। वह अदालत में एक बायोमेट्रिक प्रक्रिया से गुजर रहा था जब अर्धसैनिक रेंजरों ने कांच की खिड़की को तोड़ दिया और वकीलों और खान के सुरक्षा कर्मचारियों की पिटाई करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। इमरान खान की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पाकिस्तान में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, कराची, गुजरांवाला,

मर्दन की सड़कों पर पूरी तरह से तबाही मच गई क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने घरों, कार्यालयों और वाहनों पर पथराव किया, बैनर और टायर जलाए और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय पर भी धावा बोल दिया और लाहौर में कोर कमांडर के आवास में आग लगा दी।आंदोलनकारियों ने रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय के मुख्य द्वार को तोड़ दिया, जबकि सैनिकों ने संयम बरता और भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने संस्था के खिलाफ नारेबाजी भी की। सरकार ने देश भर में मोबाइल इंटरनेट को भी निलंबित कर दिया। इसके अलावा, नेटब्लॉक्स, एक संगठन जो इंटरनेट आउटेज को ट्रैक करता है, ने कहा कि ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब तक पहुंच पूरे पाकिस्तान में प्रतिबंधित है, डॉन में एक रिपोर्ट में कहा गया है। राजधानी में धारा 144 लागू होने के बाद रेड अलर्ट भी जारी कर दिया गया है, रेंजरों और सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण इमारतों और इलाकों में तैनात किया जाएगा।

कश्मीर में जी20 बैठक से ठीक पहले पाकिस्तान में दंगे, सीमा की तरफ दौड़ी भारतीय सेना

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में बड़े पैमाने पर आगजनी और दंगे हो रहे हैं। देश भर में उनके समर्थक पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई)

प्रमुख के समर्थन में सड़कों पर उमड़ पड़े। अब तक छह मौतों की सूचना मिली है, जिनमें से 1 क्वेटा से, 1 फैसलाबाद में, 1 चकदरा स्वात में और 1 लाहौर में हुई है और दर्जनों घायल हुए हैं। पूरे पाकिस्तान में अभूतपूर्व घटनाएं देखने को मिल रही है। प्रदर्शनकारियों ने परिसर के मुख्य द्वार को तोड़कर रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय में प्रवेश किया। भीड़ ने पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल के घर पर भी हमला बोल दिया। इमरान समर्थकों ने कोर कमांडर का घर जला दिया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लाहौर स्थिति सचिवालय को प्रदर्शनकारियों ने फूंक दिया है। लाहौर के गवर्नर हाउस को भी आग के हवाले किया जा चुका है। कुल मिलाकर कहे तो पाकिस्तान में सेना और इमरान समर्थकों के बीच जंग छिड़ी हुई है। गौर करने वाली बात ये है कि ये सबकुछ उसी देश में हो रहा है जो भारत को कश्मीर से आजाद कराना चाहता है। पाकिस्तान में सेना पहली बार अपने ही लोगों से पिट रही है। इस घटना के बाद भारत ने भी बड़ा फैसला लिया है। भारतीय सेना ने पूरी सीमा को घेर लिया है। एलओसी पर सेना की जबरदस्त तैनाती कर दी गई है। भारत को डर है कि पाकिस्तान में बिगड़ते हालातों का फायदा उठाकर पीओके में बैठे आतंकी भारत में घुसपैठ कर सकते हैं। कश्मीर में जी20 बैठक से ठीक पहले पाकिस्तान में दंगे शुरू हो गए हैं। भारत को डर है कि अपने ही देश में पिट रही पाकिस्तानी सेना लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भारत को निशाना बना सकती है। पाकिस्तान की सेना ये भलि–भांति जानती है कि अपने ही देश के लोगों के गुस्से को शांत करने का सबसे अच्छा तरीका है कि भारत के खिलाफ कोई कदम उठा लिया जाए। लेकिन भारत पहले ही पाकिस्तानी सेना की किसी भी साजिश को नाकाम करने की तैयारी कर चुका है। भारत ने कड़ी सावधानी बरतनी शुरू कर दी है। भारतीय सेना की नजर स्लीपर सेल्स पर भी है। भारत नहीं चाहता है कि खुद की लगाई आग की लपटें जम्मू कश्मीर तक पहुंचे। इसलिए भारतीय सेना ने कमर कस ली है।

आईसीसी विश्व कप 2023 : इस दिन होगा भारत–पाकिस्तान का महामुकाबला, टीम इंडिया का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया से

आईसीसी विश्व कप 2023 का आयोजन भारत में किया जा रहा है। जानकारी के मुताबित इस साल के अंत में अक्टूबर और नवंबर में यह विश्व कप खेला जाएगा। इन सब के बीच विश्व कप 2023 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को हाई–वोल्टेज क्रिकेट मैच हो सकता है। जानकारी के अनुसार, टूर्नामेंट का ओपनर पिछले संस्करण के फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल भी 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही होगा। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम अपना

पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। भारत का टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच पांच बार के विजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। पूरी संभावना है कि यह चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। अब तक तैयार अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार, 1992 विश्व कप विजेता पाकिस्तान अपने मैच अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरू में खेलेगा। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक इसके लिए शेड्यूल जारी नहीं किया है और इंडियन प्रीमियर लीग के बाद ऐसा करने की संभावना है। यह पता चला है कि पाकिस्तान एशिया कप को लेकर चल रहे गतिरोध की परवाह किए बिना टूर्नामेंट के लिए भारत का दौरा करने पर सहमत हो गया है। हालाँकि, उन्होंने कुछ आपत्तियाँ व्यक्त की हैं। पीसीबी को भारत के खिलाफ अहमदाबाद में मैच खेलने पर आपत्ति है। अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद के अलावा, कोलकाता, दिल्ली, इंदौर, धर्मशाला, गुवाहाटी, राजकोट, रायपुर और मुंबई नामित स्थान हैं। मुंबई में वानखेड़े, जिसने 2011 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल की मेजबानी की, वहां सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाने की सबसे अधिक संभावना है। विश्व कप के 2019 संस्करण की तरह, मैच राउंड–रॉबिन प्रारूप में खेले जाएंगे, जहां प्रत्येक टीम दूसरे के खिलाफ कम से कम एक बार खेलेगी, और फिर प्रत्येक टीम के लिए नौ मैचों के अंत में, शीर्ष चार टीमें होंगी।

शुरुआत में बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार, मगर उतार चढ़ाव के कारण बढ़ी परेशानी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को शुरूआत अच्छी रही और बीएसई सेंसेक्स 204 अंक से अधिक की बढ़त के साथ खुला। हालांकि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से बाजार शुरूआती बढ़त बरकरार नहीं रह पाया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 204.23 अंक की तेजी के साथ 61,965.56 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 57.2 अंक की बढ़त के साथ 18,323.15 अंक पर खुला। हालांकि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से बाद में शुरूआती तेजी जाती रही और सेंसेक्स 71.95 अंक टूटकर 61,689.38 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 22.85 अंक की गिरावट के साथ 18,243.10 अंक पर रहा। सेंसेक्स कंपनियों में इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले और आईटीसी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी शामिल हैं।

सेना प्रमुख ओमान में तो ISI चीफ भी पाकिस्तान से बाहर, कुछ इस प्रकार लिखी गई इमरान खान की गिरफ्तारी की स्क्रिप्ट

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान को देश के अर्धसैनिक बलों ने उस समय गिरफ्तार कर लिया था, जब वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनवाई के लिए इस्लामाबाद हाई कोर्ट में मौजूद थे। इमरान की गिरफ्तारी के बाद उनकी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के समर्थकों ने पूरे देश में बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन किए। पुलिस ने बुधवार को मीडिया को बताया कि इमरान खान को आज इस्लामाबाद अदालत में नहीं लाया जाएगा, बल्कि उनकी निर्धारित सुनवाई उस स्थान पर होगी जहां वह हिरासत में हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री की गिरफ्तारी के बाद, क्वेटा, कराची, पेशावर, रावलपिंडी और लाहौर सहित पाकिस्तान के कई शहरों में विरोध तेज हो गया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। पीटीआई समर्थकों ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय और लाहौर में कोर कमांडर के आवास पर धावा बोल दिया था। ऐसे में इमरान खान की गिरफ्तारी की स्क्रिप्ट कैसे लिखी गई, ये आपको बताते हैं।

आसिम मुनीर की चीन यात्रा के बाद से ही चर्चा तेज

पाकिस्तान के आर्मी चीफ अप्रैल के महीने में 4 दिन की चीन यात्रा पर पहुंचे थे। मुनीर अपने साथ सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर गए थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि असीम मुनीर अपनी यात्रा के दौरान चीनी अधिकारियों से मिलकर नाराजगी दूर करने की कोशिश तो करेंगे ही उसके साथ ही खराब दौड़ से गुजर रहे पाकिस्तान के वर्ष अर्थव्यवस्था को सही करने के लिए पाकिस्तानी आर्मी चीफ कर्ज की मांग भी करेंगे। इसके अलावा पाकिस्तानी मीडिया तो मुनीर की चीन यात्रा को लेकर यह भी आशंका जता रही है कि पाकिस्तान में कभी भी मार्शल लॉ लगाया जा सकता है और असीम मुनीर इस फैसले की जानकारी देने ही चीन पहुंचे हैं। आईएसआई और सेना को रखा गया दूरः पाकिस्तानी मीडिया में इस बात की भी चर्चा है कि इमरान खान की गिरफ्तारी ऐसे वक्त में हुई है जब पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ओमान में हैं। कहा तो ये भी जा रहा है कि जैसे ही मुनीर वापस लौटेंगे पाकिस्तान की राजनीति में बड़ा बदलाव हो सकता है। वहीं आईएसआई चीफ भी पाकिस्तान से बाहर किसी दूसरे मिशन पर थे। जिससे उनकी भी इस सारे कार्रवाई में किसी भी प्रकार की संलिप्तता के आरोप न लगे।

मालगाड़ी के डिब्बे में मिला युवक का शव, जीआरपी जांच में जुटी

देवरिया । भटनी। दो वर्षों से यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के डिब्बे में एक युवक का शव मिला। पॉकेट से मिले मोबाइल से जीआरपी ने शव की शिनाख्त की। बलिया जिले के परिवारीजनों ने बताया कि युवक नशे का आदी था। 4 मई को परिजनों से विवाद के बाद गायब हो गया था। भटनी रेलवे स्टेशन के यार्ड में करीब दो साल से मालगाड़ी के कुछ डिब्बे खड़े हैं। शाम डिब्बे से बदबू आने पर लोगों ने इसकी जानकारी जीआरपी को दी। मौके पर पहुंची जीआरपी शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त में जुट गई। मृतक के पॉकेट से मिले बंद मोबाइल को पुलिस ने चार्ज में लगाया तो कुछ देर बाद परिजनों का फोन आया। जिससे उसकी पहचान गणेश प्रसाद (40) निवासी नगरा, बलिया के रूप में की गई। कुछ घंटों बाद परिजनों ने भटनी पहुंचकर शव की शिनाख्त की। उन्होंने बताया कि गणेश नशे का आदी था। 4 मई को शराब पीने से रोकने पर परिजनों से विवाद के बाद वह घर से अचानक गायब हो गया। तभी से घर वाले उसे ढूंढ रहे थे। एसओ जीआरपी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के डिब्बे में युवक का शव मिला है। शव की शिनाख्त के बाद मामले की जांच की जा है।

घर से पढ़ाई करने निकला किशोर लापता

सलेमपुर। पांच दिन पूर्व घर से पढ़ाई करने निकला किशोर लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तो परिजनों ने . कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मामला को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के डुमवलिया गांव निवासी लीलावती देवी पत्नी दिनेश गौड़ ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि 4 मई की सुबह उसका छोटा बेटा रिशु गौड़ (14) वर्ष पढ़ाई करने के लिए घर से बैग लेकर निकला। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटा तो काफी खोजबीन शुरू किया गया, लेकिन उसका पता नहीं चल रहा है। मामला को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया कि किशोर की मां की तहरीर पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में बलगम जांच केंद्र शुरू, मरीजों को होगी सहूलियत

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में क्षय रोग की जांच के लिए बलगम जांच केंद्र शुरू कर दिया गया है। अब मरीजों को बलगम जांच के लिए टीबी क्लीनिक नहीं जाना होगा। ओपीडी के पास होने के कारण जांच कराने में सहूलियत होगी। इस केंद्र पर माइक्रोस्कोप से जांच की जाएगी। क्षय रोग उन्मूलन के लिए सरकार का जोर है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान चलाकर मरीजों को ढूंढा जा रहा है। मरीजों को चिह्नित कर सरकारी अस्पतालों में निशुल्क इलाज कराया जा रहा है। साथ ही पौष्टिक आहार के लिए हर माह मरीज के खाते में पांच सौ रुपये भेजा जाता है। मेडिकल कॉलेज के चेस्ट व टीबी विभाग में इलाज के लिए आने वाले मरीजों में लक्षण के आधार पर जांच कराई जाती है, वहीं भर्ती मरीजों की भी जांच होती है। इसके लिए मेडिकल कॉलेज में सुविधा नहीं थी, जिससे मरीजों को टीबी क्लीनिक जाना पड़ता था। इसे देखते हुए पुराने भवन में प्रवेश करते ही बगल के कमरे में बलगम जांच केंद्र स्थापित किया गया है। यहां एक एलटी मोहम्मद जाहिद की तैनाती की गई है, जो बलगम की जांच माइक्रोस्कोप से करते हैं। इसके बाद सीबी नाट से जांच कराई जाती है। टीबी बीमारी की पुष्टि होने पर इस केंद्र से मरीजों को दवा देने की भी सुविधा है। एक मई से अब तक 22 मरीजों की जांच की गई, जिसमें तीन मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई है।

महिला को साथ ले गई सलेमपुर पुलिस, खलबली

बरहज। हरनौठा क्षेत्र की एक महिला को सलेमपुर पुलिस साथ ले गई। महिला की ओर से सलेमपुर थाना क्षेत्र की युवती का हरियाणा के एक लड़के के साथ शादी कराने का मामला सामने आया है, जो चर्चा में है। दिन में करीब तीन बजे सलेमपुर कोतवाली के एसआई अनिल गोस्वामी मयफोर्स एक महिला के साथ बरहज पहुंचे। साथ आई महिला की निशानदेही पर पुलिस हरनौठा क्षेत्र की महिला को पूछताछ के लिए थाने लाई। लोगों के अनुसार पुलिस के साथ आई महिला की पुत्री की शादी दो माह पूर्व जयनगर मां विंध्यवासिनी पावन धाम मंदिर परिसर में हरियाणा के एक युवक के साथ हुई, जो अपने पति के साथ ससुराल में है। लेकिन किसी बात पर लड़की की मां ने सलेमपुर कोतवाली में महिला के खिलाफ तहरीर दी थी। एसआई अनिल गोस्वामी ने बताया कि युवती की शादी से संबंधित प्रकरण है। महिला को पूछताछ के लिए ले जाया जा रहा है।

सात प्रधानाध्यापकों का वेतन रोकने के लिए भेजा गया पत्र

लक्ष्मीपुर। डीबीटी के कार्य कार्यों में रुचि नहीं लेने पर लक्ष्मीपुर के खंड शिक्षा अधिकारी ने सात प्रधानाध्यापकों का वेतन रोकने के लिए बीएसए को पत्र भेजा है। जांच में यह भी पाया गया कि विभागीय कार्यों में लापरवाही की जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी अगनित कुमार ने बताया कि लक्ष्मीपुर क्षेत्र में प्रधानाध्यापक कोदई प्रसाद प्राथमिक विद्यालय लालपुर कल्यानपुर, जनार्दन प्रसाद कम्पोजिट विद्यालय रामनगर, विंध्याचल चौधरी प्राथमिक विद्यालय अड्डा बाजार प्रथम, रविन्द्र नारायण पांडेय कम्पोजिट विद्यालय मोगलहा, अल्पना सिंह वार्डेन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लक्ष्मीपुर, विंजन प्रसाद कम्पोजिट विद्यालय सेमरहवा खास, हरिश्चंद्र यादव प्राथमिक विद्यालय मंगलपुर का वेतन रोकने के लिए बीएसए को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दुकान में सेंध लगाकर दस पेटी शराब चोरी

सिसवा बाजार। कोठीभार थाना क्षेत्र के ग्राम सभा हरपुर पकड़ी घिवहां चौराहे पर स्थित देसी शराब की दुकान में सेंध लगाकर चोर दस पेटी शराब व नकदी उठा ले गए। सबयां ढाला निवासी आनंद चौरसिया ने कोठीभार पुलिस को दिए तहरीर में कहा है कि हरपुर पकड़ी घिवहां चौराहे पर देसी शराब की दुकान है। रात दीवार में सेंध लगाकर चोर दस पेटी शराब व नकद उठा ले गए। दुकान से कुछ दूरी पर कैश बॉक्स के ऊपरी हिस्से को खेत में फेंक दिया था। थानाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। टीम गठित कर मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

21 को लगेगा लोक अदालत

महराजगंज। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कमलेश्वर पांडेय की अध्यक्षता में प्री–ट्रायल बैठक हुई। 21 मई को लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पराक्रम लिखित वाद, बैंक वसूली वादों, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वादों, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद वसूली से संबंधित मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

गलत वरासत दर्ज करने के मामले में लेखपाल निलंबित

लेखपाल के मामी की शिकायत पर जांच के बाद हुई कार्रवाई, संपत्ति हड़पने के इरादे से भू-अभिलेख में किया था हेरफेर

देवरिया। जनता दर्शन में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के समक्ष एक अनोखा मामला आया। शिकायतकर्ता महिला (मामी) ने अपनी भांजी (लेखपाल) पर सास से मिलकर संपत्ति हड़पने के इरादे से भू–अभिलेख में हेरफेर करने का आरोप लगाया है। जांच में आरोप को सही पाया गया और लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में सरिता देवी पत्नी स्वर्गीय कपूर निवासी ग्राम सूर्यपुरा, तहसील सदर ने बताया कि उनके पति की मौत 28 सितंबर 2022 को हो गई थी। उनकी दो बेटियां हैं। गांव में तैनात लेखपाल ज्योति मल्ल उनके दिवंगत पति की भांजी हैं। नियमतरू पति की भू–संपत्ति से जुड़े वरासत अभिलेख में दोनों बेटियों की संरक्षिका के रूप में उनका नाम दर्ज होना चाहिए था। लेकिन, लेखपाल ज्योति मल्ल ने संपत्ति हड़पने के इरादे से मामी सरिता देवी के स्थान पर वरासत में अपनी नानी यशोदा देवी का नाम अंकित करा दिया। उन्होंने जिलाधिकारी से प्रकरण की समुचित जांच कर इंद्राज को खारिज करने तथा नए इंद्राज में अपना नाम बतौर संरक्षिका दर्ज कराने की गुहार लगाई तो जिलाधिकारी ने तत्काल एसडीएम सदर सौरभ सिंह को प्रकरण की जांच करने का निर्देश दिया। एसडीएम ने जांच में आरोप को सही पाया। उन्होंने बताया कि कंप्यूटरीकृत अभिलेखों में मृतक कपूर पुत्र भगवान के स्थान पर सलोनी व अंजनी पुत्रीगण कपूर की संरक्षिका दादी यशोदा देवी का नाम बतौर वारिस दर्ज पाया गया। इसे अब सही करा दिया गया है। लेखपाल ने तैनाती के समय कार्यालय को यह अवगत नहीं कराई थी कि सूर्यपुरा उनका ननिहाल है और यशोदा देवी उनकी सगी नानी हैं। इसके अतिरिक्त लेखपाल को अपने क्षेत्र में निवास किए जाने का भी प्रावधान है, लेकिन जांच में यह तथ्य सामने आया कि वह देवरिया शहर में निवास करती हैं। मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर लेखपाल ज्योति मल्ल को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि में आईजीआरएस कार्यालय तहसील देवरिया सदर से संबद्ध रहेंगी।

हेरफेर के मामले में पहले भी हो चुकी है कार्रवाईः लेखपाल पहले भी कई मामलों में दोषी पाए जाने पर निलंबित हो चुके हैं। एक माह पूर्व गलत वरासत करने के मामले में एसडीएम रुद्रपुर ने बेलकुंडा के लेखपाल अजेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया था। बेलकुंडा गांव के राजकुमार की शिकायत पर नायब तहसीलदार महेन की जांच में वरासत करने में अनियमितता मिली। लेखपाल ने गलत वरासत करने के बाद दोबारा कूट रचना कर मामला दबाने का प्रयास किया, लेकिन शिकायत पर जांच में फर्जीवाड़ा खुल गया। जिस पर एसडीएम ध्रुव शुक्ला ने निलंबित कर दिया।

कटे होठ की सर्जरी से लौट रही बच्चों के चेहरे पर मुस्कान

-अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 13 बच्चों के कटे होठ और तालू की हुई सर्जरी

देवरिया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) से जन्मजात कटे होठ और तालू से पीड़ित बच्चों का इलाज कराया जा रहा है। इससे उनके चेहरे पर मुस्कान लौट रही है। 13 अप्रैल को दीया का सफल ऑपरेशन किया गया। इसके बाद वह अन्य बच्चों की तरह दिख रही है और उसके माता–पिता सहित परिवार के सदस्य प्रसन्न हैं। जनपद में आरबीएसके की 32 टीमें हैं। टीम के सदस्य परिषदीय विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण करते हैं और जांच कर बीमार बच्चों को चिह्नित करते हैं। इसके बाद उनका इलाज सरकारी खर्च पर कराया जाता है। गंभीर से पीड़ित व कटे होठ, तालू सहित अन्य बीमारियों की सर्जरी कराई जाती है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक कटे होठ के जिले के 13 बच्चों की सरकारी खर्चे पर गोरखपुर स्थित निजी अस्पताल में सर्जरी कराई गई है। तरकुलवा के अवधेश प्रसाद की आठ वर्ष की बच्ची दीया का होठ और तालू जन्म से कटा था। जन्म के समय यह देख परिवार निराश हो गया। उसे स्तनपान करने और खाने में दिक्कत होती थी। पांच वर्ष की उम्र होने पर उसका नामांकन प्राथमिक विद्यालय में कराया गया। इसी बीच 10 जनवरी 2023 के आरबीएसके टीम के डॉ. अशरफ हुसैन सिद्दीकी, डॉ. शिल्पा शर्मा व एएनएम संगीता सिंह जांच करने पहुंचीं। उसे बोलने व खाने–पीने में दिक्कत थी। टीम ने परिजनों से संपर्क कर इलाज की जानकारी दी और 25 फरवरी को सरकारी एंबुलेंस से उसे गोरखपुर स्थित निजी अस्पताल भेजा, जहां जरूरी जांच के बाद 28 फरवरी को कटे होठ की सर्जरी की गई। अगले दिन उसे छुट्टी दे दी गई। इसके बाद आरबीएसके टीम ने दोबारा स्क्रीनिंग कर तीन अप्रैल 2023 को फिर अस्पताल भेजा, जहां 13 अप्रैल को डॉक्टरों ने कटे तालू की सर्जरी कर दी। अब वह घर पर अन्य बच्चों की तरह है।

नौकरी के झांसे में आए तो ठग कर देंगे खाता खाली, ठगो के बदले तरीकों में फंस रहे लोग

इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर घर बैठे कमाने के ऑफर वाले विज्ञापन देकर खाता खाली कर रहे हैं ठग

महराजगंज। ठगों ने जालसाजी का तरीका बदल दिया है। अब नौकरी का झांसा देकर बैंक का खाता खाली कर दे रहे हैं। बदले तरीके से लोग जल्द झांसे में आ जा रहे हैं। घर बैठे रुपये कमाने के चक्कर में युवा मां–बाप की गढ़ी कमाई को गंवा दे रहे हैं। दरअसल, बैंक खाता बंद होने, बिजली बिल का बकाया जैसे बातों में फंसाकर जालसाजी करने वालों से लोग सजग हुए और पुलिस सख्ती बढ़ी तो उन्होंने ठगी का तरीका बदल दिया। अब इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर घर बैठे कमाने के ऑफर वाले विज्ञापन देकर खाता खाली कर रहे हैं। पुलिस की सोच से दो कदम आगे रहने वाले जालसाज हाल के दिनों में आठ से नौ लोगों को निशाना बना चुके हैं। खास बात यह है कि इसमें लोग खुद ही अपनी रकम को दांव पर लगाकर जालसाजी का शिकार हो रहे हैं। शहर के एक युवक ने लुभावने ऑफर के चक्कर में एक लाख रुपये गवां दिए। साइबर एक्सपर्ट के अनुसार हाल फिलहाल में थाने पर पांच से अधिक ऐसे मामले आए हैं, जिसमें लोग घर बैठे कमाने के चक्कर में अपनी गाढ़ी कमाई गवां चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक, आज का हर युवा सोशल मीडिया से जुड़ा है और वह जालसाजों के पुराने सभी तरीकों से वाकिफ भी है। इस वजह से जालसाज नए तरीकों से उन्हें निशाना बना रहे हैं। सोशल मीडिया जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप पर 15 मिनट में हजारों कमाने का ऑफर दिए जा रहे हैं। इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुंदर लड़कियों की फोटो लगी होती है। लड़कियों का वायस कॉलिंग के दौरान भी इस्तेमाल किया जाता है। ऑफर देकर मोटी रकम उड़ा दे रहेः ठग पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कमाई के लुभावने ऑफर दिखाते हैं। जब लोग इनसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घर बैठे कमाई के लिए संपर्क करते हैं तो उनका विश्वास जीतने के लिए पब्लिक के खाते में रुपये भी क्रेडिट करते हैं। फिर अधिक से अधिक रुपये कमाने का ऑफर देकर मोटी रकम उड़ा दे रहे हैं। ज्यादा रकम का लालच लेकर ले लिया 22 लाखः सोनौली की रूबी जासवाल के साथ करीब 22 लाख की धोखाधड़ी हुई है। जालसाजों ने 10 हजार भेजकर 20 हजार रुपये का लालच दिया। फिर 20 हजार भे कर 40 हजार रुपये का लालच दिया। उसके बाद 80 हजार भेजकर एक लाख 60 हजार रुपये का लालच दिया। उसके बाद जालसाजों ने महिला से कहा अब आप के छोटे रकम का प्वाइंट खत्म हो गया हैं। अब आप आठ लाख भेजकर 16 लाख पा सकती हैं। उसके बाद महिला ने आठ लाख रुपये भेज दिया। फिर जालसाजों ने 16 लाख रुपये भेज दिया। उसके बाद जालसाजों ने कहा कि यदि आपका रकम 20 लाख रुपये के ऊपर हो जाता है तो एक करोड़ 35 लाख मिलेगा। पीड़िता ने फिर छह लाख रुपये देकर अपनी रकम को 22 लाख कर दिया। उसके बाद जालसाजों ने फोन उठाना बंद कर दिया। पीड़ित ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। साइबर सेल की टीम जांच में लगी हुई है।

साइबर सेल ने कराया 99 हजार रुपये की रिकवरीः जिले की साइबर सेल की टीम ने वर्ष 2023 में 23 मामले में पांच लाख छह हजार 447 रुपहे वापस कराया है। जबकि वर्ष 2023 में 100 से ऊपर मामले दर्ज हो चुके है। अन्य प्रकरण में जांच चल रही है। वर्ष 2023 में सबसे बड़ी रिकवरी 99 हजार की हुई है। शिकायत मिलने पर साइबर सेल की टीम प्रकरण की जांच करने में जुट जाती है।

दो मासूम बच्चों को छोड़ प्रेमी के साथ चली गई महिला

सलेमपुर। नगर के एक वार्ड में किराए के मकान में पति के साथ रह रही महिला को कुछ लोगों ने सांठगांठ कर भगा दिया। महिला के पति ने दो मासूम बच्चों के साथ कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी है। खुखुंदू क्षेत्र की महिला नगर के एक वार्ड में स्थित मॉल में कार्य करती है। उसका पति भी नगर में ही रहकर अन्य जगह पर मजदूरी करता है। दस दिन पूर्व महिला को कुछ लोग बहला फुसलाकर भगा ले गए। काफी खोजबीन के बाद जब उसका पता नहीं चला तो उसका पति तथा दो मासूम बच्चे तथा परिवार के अन्य सदस्य कोतवाली पहुंचे और एक महिला तथा उसके पुरुष मित्र पर बहला फुसलाकर भगाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया की तहरीर मिली है। इसकी जांच की जा रही है। आरोपियों को भी बुलाया जाएगा।

रेल पटरी पर एक अज्ञात व्यक्ति की शव मिलने से क्षेत्र में दहशत का माहौल

कुशीनगर। जनपद के पड़रौना कोतवाली थाना क्षेत्र के सिधुआं मिश्रौली ढाले के समीप रेलवे ट्रैक पर बुधवार की सुबह एक 40 वर्षीय अज्ञात युवक के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पडरौना कोतवाली थाना क्षेत्र के सिधुआं मिश्रौली ढाला से करीब पांच सौ मीटर दूरी पर रेलवे ट्रैक पर एक 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव दिखाई दिया। सुबह भोर में अपने कार्यों से निकले गांव के लोगों ने इसकी सूचना सिधुआं चौकी पुलिस को दी। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुच चौकी प्रभारी अमित कुमार सिह ने आरपीएफ पुलिस के सहयोग से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि उक्त अज्ञात व्यक्ति के शव की पहचान नहीं हो सकी है।

पुलिस मुठभेड़ में दो घायल सहित तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद के तमकुही राज थाना क्षेत्र के लतवाचट्टी नहर के समीप पुलिस व पशु तस्करो में मुठभेड़ हुई। जिसमें दो पशु तस्करो के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गए। जबकि एक अन्य को पशु तस्कर सहित तीन पशु तस्करो को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि तमकुहीराज, तरयासुजान, पडरौना, खड्डा व स्वाट की संयुक्त टीम ने लतवाचट्टी नहर के समीप एक पिकप वाहन आते दिखाई दिया। पुलिस ने पिकप वाहन को रोकने का प्रयास किया तो पशु तस्करो द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाई गई। पुलिस ने भी जबाबी फायरिंग की। जिसमे अभिषेक यादव उर्फ राकेश पुत्र लल्लन यादव ग्राम दनियाड़ी व सिकन्दर यादव पुत्र देवेन्द्र यादव ग्राम कोईन्दहा थाना तरयासुजान के पैर में गोली लगी और दोनों तस्कर घायल हो गया। घायल पशु तस्करो सहित एक अन्य उपेन्द्र यादव पुत्र मोहन यादव ग्राम गाजीपुर बैरियर थाना तमकुहीराज को पुलिस ने दौड़ाकर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मौके से एक पिकप वाहन संख्या– यूपी 57 एटी–8026 से 04 गोवंशीय पशु (गाय) व दो तमन्चा 315 बोर, दो जिन्दा व दो खोखा कारतुस बरामद की गई। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या–137ध् 2023 धारा 307 भादवि व 3ध्5 ।ध्8, 5ठ गोवध निवारण अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि0 व 3ध्25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद की पुलिस टीम द्वारा एक अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसके पास से आठ किलोग्राम अवैध गांजा बरामद की गई है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि पटहेरवा पुलिस व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान लबनिया चौराहा के पास से आठ किलोग्राम अवैध गांजा साथ एक गांजा तस्कर रवि कुमार पुत्र रामसूरत साह निवासी अहिले थाना नरायनपुर जनपद आरा बिहार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए गाजा की बाजार में 01लाख, 60 हजार रुपये बताई जा रही है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आध्ाार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या– 144ध्2023 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

घर मे लगी आग चार से मासूम सहित सात की मौत

कुशीनगर। जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र के माधी मठिया गांव में बुधवार को दोपहर अचानक एक झोपड़ी मे आग लग गयी। देखते ही देखते झोपड़ी मे लगी आग पक्के मकान को अपने चपेट मे ले लिया। जिसमे एक ही परिवार के चार मासूम बच्चे सहित सात लोगों की जलकर मौत हो गई है। वहीं एक अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गयी, जब आग लगी उस समय सभी लोग घर मे सो रहे थे। अग्निशमन विभाग का दस्ता सूचना देने के दो घंटे विलंब से पहुंचा। इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी रही। डीएम,एसपी ने मौके पर पहुचकर स्थित का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार रामकोला थाना क्षेत्र के माधी मठिया निवासी शेर मोहम्मद पैर से दिव्यांग है। वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है। रोज की तरह बुधवार को भी शेर मोहम्मद ऑटो लेकर निकल गया। घर में उसकी 30 वर्षीय पत्नी फातिमा, 13 वर्षीय बेटियां कुलसुम , 6 वर्षीय रोकई, 4 वर्षीय आयशा , दो वर्षीय अमीना व दो माह की खतीजा घर मे मौजूद थीं। दोपहर में तेज , हवा चलने के दौरान सभी घर के अंदर सो रहे थे। घर के बाहर झोपड़ी डाल रखी थी। दोपहर बाद करीब तीन बजे इसी झोपड़ी में अज्ञात कारणों से आग लगी। आग की लपटें झोपड़ी को निगलने के बाद पक्के मकान में वहां तक पहुंच गयीं, जहां सभी सो रहे थे। जब तक उनकी नींद खुलती तब तक सभी आग में बुरी तरह से घिर चुके थे। चीख–चित्कार सुनकर आस पास के लोग जुटे। पंपिंग सेट चलाकर आग पर पानी फेकने का क्रम शुरू हुआ। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक फातिमा व उसकी बेटियां रोकई, आयशा, अमीना व खतीजा की जलकर मौत हो चुकी थी जबकि दादा–दादी की मौत जिला अस्पताल में हुई है। गंभीर रूप से झुलसे शफीक, मोतीरानी व बच्ची कुलसुम का इलाज जिला अस्पताल मे चल रहा है। दिल दहला देने वाली घटना की सूचना पाकर जिलाधिकारी रमेश रंजन, पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल घटना स्थल पर पहुचकर स्थित का जायजा लिया। डीएम ने सभी मृतकों पर चार चार लाख मुआवजा देने की घोषणा की है। बदहवास है शेर मोहम्मद– घर आग लगने की खबर सुनकर कुछ देर बाद आटो लेकर मौके पर पहुचा शेर मोहम्मद पत्नी व बच्चों की मौत का दुखदायी खबर सुनकर बदहवास हो गया। उसे कुछ समझ मे नही आ रहा था कि वह क्या करे। वह दहाड़े मार–मार कर रोने लगा। ग्रामीणों ने उस किसी तरह संभाला।

हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद

साढ़े 13 वर्ष पूर्व ट्रक चालक पप्पू यादव की हत्या करने का मामला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। साढ़े 13 वर्ष पूर्व ट्रक चालक पप्पू यादव की हत्या करने के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दो दोषियों ताहिर व फिरोज को उम्रकैद व 10– 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी।अभियोजन पक्ष के मुताबिक राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हरथर गांव निवासी मोबीन अहमद पुत्र मुस्ताक अहमद ने थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह ट्रक मालिक है। ट्रक चालक पप्पू यादव पुत्र सत्यप्रकाश यादव निवासी मुसाखाड, थाना चकिया, जिला चंदौली व खलासी ताहिर अली पुत्र सहरे आलम निवासी सोनवार, थाना चकराघट्टा, जिला चंदौली 5 अगस्त 2009 को दुद्धी से बालू लादकर वाराणसी आ रहा था कि रात करीब 12रू30 बजे मालोघाट पनारी में ट्रक खड़ी करके चालक सो गया और खलासी गाड़ी के बाहर जगने के लिए गया था। करीब एक घंटे बाद ट्रक पर वापस आया तो देखा कि चार लोग बैठे हुए थे। एक आदमी ने खलासी से पूछा कि तुम कौन हो तो उसने खलासी बताया। इसपर उसे करीब 500 मीटर दूर जंगल के रास्ते ले जाकर रोडवेज बस पर बैठा दिया। राबर्ट्सगंज पहुंचकर खलासी ने फोन करके जानकारी दी।

जब सुबह चार बजे भोर में चालक का पता किया तो ट्रक डाला वैष्णो मंदिर के पास खड़ी थी और चालक नीचे कहर रहा था। उसे धारदार हथियार से जान मारने की नियत से गंभीर चोट गले में पहुंचाई गई थी। इस तहरीर पर अज्ञात में एफ आई आर दर्ज कर मामले की विवेचना की गई।मामले की विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में ताहिर पुत्र सहरे आलम निवासी सोनवार, थाना चकरघट्टा, जिला चंदौली व फिरोज पुत्र अयूब खां निवासी रघुनाथपुर, थाना पन्नूगंज, जिला सोनभद्र के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोनों दोषियों ताहिर व फिरोज को उम्रकैद व 10– 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पोलिंग पार्टी रवानगी का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने राजकीय पालिटेक्निक कालेज लोढ़ी में पहुंचकर नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन– 2023 की पोलिंग पार्टी रवानगी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज, चुर्क, घुरमा के सभी मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां रवाना की गई है, कल मतदान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा सकुशल संपन्न कराया जाएगा संवेदनशील अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर फोटोग्राफी वीडियोग्राफी कराई जाएगी इसके अलावा पिंक बूथ आदर्श बूथ की भी व्यवस्था कराई गई है सभी मतदान केंद्रों पर

शुद्ध पेयजल, विद्युत, फर्नीचर की व्यवस्था, शौचालय आदि सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई गई है, जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों से कहा कि अपने अपने क्षेत्र के जोनल सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक करें तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों के साथ भ्रमण करके सेक्टर मजिस्ट्रेटों को चेक करें, उन्होंने उप जिलाधिकारियों से यह भी कहा कि जो रिजर्व पोलिंग पार्टियां हैं, उनकी हाजिरी अवश्य ले तथा उनके ठहरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।इस दौरान जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी ने 13 मई, 2023 को होने वाले मतगणना के मद्देनजर पालिटेक्निक कालेज लोढ़ी में स्थापित मतगणना कक्ष का भी निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने मतगणना कक्षों की सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग, मतगणना ड्यूटी में लगे कार्मिकों के आने–जाने के रास्तों के स्थिति, एजेन्टों के रहने के स्थानों की स्थिति के बारे में उप जिलाधिकारी सदर से जानकारी ली, उन्होंने कहा कि मतगणना के दौरान कार्मिकों व प्रत्याशियों के एजेन्टों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये, इसके लिए पहले से ही आवश्यक प्रबन्ध कर लिये जायें। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, उप जिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र मिश्रा, तहसीलदार सुनील कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पी एच डी की डिग्री हासिल कर बने एक कुशल किसान– डाक्टर अनिल श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

मनकापुर,गोंडा। एमएससी पीएचडी की डिग्री हासिल करके डॉ अनिल श्रीवास्तव को नौकरी नहीं बल्कि किसानी भा गई। डाक्टर अनिल 2008 में वनस्पति विज्ञान विषय से एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर से डॉ जे पी तिवारी के निर्देशन में पीएचडी की डिग्री हासिल कर घर लौटे डॉ अनिल श्रीवास्तव ने अपने गांव अलीनगर विकासखंड बभनजोत की मिट्टी से दिल लगा बैठे। सबसे पहले केले की खेती ने उन्हें रास्ता दिखाया और आज वह प्रगतिशील किसान के रूप में माने जाते हैं। वर्तमान समय में 25 बीघा में गेंदा फूल की खेती और 2 एकड़ में कागजी नींबू की खेती कर रहे हैं। जबकि गेंदा फूल की लागत ध्75000 और उपज 4 कुंटल प्रति बीघा है। जबकि बिक्री ध्50 प्रति किलो है। डॉ अनिल श्रीवास्तव पीएचडी अवार्ड 2008 में प्रगतिशील किसान अवार्ड से सम्मानित भी हुए हैं।इनको आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्व विद्यालय कुमारगंज अयोध्या से सम्मानित हुए हैं। डॉ अनिल श्रीवास्तव 10 वर्षों से विस्तार कर रहे हैं। उनके खेत में तैयार गेंदा के फूल सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज के फूल मन्डी अपना पहचान बनाए हुए हैं। जल संरक्षण करने के साथ ही साथ रोजगार दे रही हैं। डॉ अनिल ने खेती का सफर लगभग 10 ध्12 वर्षों से कर रहे हैं। बनारस में फूलों को देखने के बाद उन्होंने सोचा कि फूलों की खेती भी की जाए। बनारस से ही वह पूपा नारंगी,पूपा बसंती गेंदा का बीज लेकर आए और खेत में नर्सरी डालें। वहीं से फायदा मिलने के बाद आज उनकी खेती फूलों और नींबू से चमक रही है और अच्छी कमाई हो रही है। औद्योगिक खेतों से लगभग सैकड़ों जरूरतमंदों को रोजगार भी मिल रहा है। जबकि डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव किसी ग्राम पंचायत में प्रधान भी रह चुके हैं।

केकेसी में मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ। राजधानी में नगर निकाय चुनाव की मतगणना से पूर्व जयनारायण पीजी कालेज में मतगणना कार्मिकों का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्य पाल गंगवार जयनारायण (केकेसी) पीजी कालेज पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सभी कक्षों में जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यक्रम में आये प्रशिक्षणार्थियों से संवाद भी किया और उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दिए।

गर्भवती महिलाओं को चार प्रसव जांच अवश्य कराना चाहिए: सीडीओ

सभी सीएचसी पीएचसी में मना प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान दिवस

लखनऊ। राजधानी में शहरी ग्रामीण सीएचसी,पीएचसी व बाल महिला केन्द्रों पर बुधवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी रिया केजरीवाल ने सीएचसी सिल्वर जुबली में पीएमएसएमए दिवस का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उन्होंने सीएचसी अधीक्षक डा. प्रियंका यादव और उपस्थित गर्भवतियों से बात करते हुए कहा कि गर्भवती को स्वास्थ्य केंद्रों पर कम से कम चार प्रसव पूर्व जांच जरूर करानी चाहिए। इससे उच्च जोखिम की गर्भावस्था की पहचान हो जाती है और समय से इलाज हो जाता है। उच्च जोखिम की गर्भावस्था की समय से पहचान और प्रबंधन से हम जच्चा–बच्चा दोनों को ही स्वस्थ रख सकते हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने बताया कि नौ तारीख को अवकाश होने के कारण पीएमएसएमए दिवस जनपद में 10 तारीख को मनाया गया। उन्होंने कहा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दूसरी और तीसरी तिमाही की गर्भवती को प्रसव पूर्व कम से कम एक बार एमबीबीएस चिकित्सक की देख रेख में निरूशुल्क जांच एवं उपचार उपलब्ध कराना है ताकि उच्च जोखिम की गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान कर उसे समय से इलाज उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि गर्भवती की हीमोग्लोबिन, पेशाब, सिफलिस व एचआईवी की जाँच और अल्ट्रा साउंड की सुविधा मिलती है गर्भवती की जांच कर स्वास्थ्य के अनुसार मातृ एवं शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड पर लाल एवं हरा डॉट लगा दिया जाता है। हरे डॉट का मतलब होता है कि गर्भवती में कोई भी खतरे के लक्षण नहीं हैं जबकि लाल का तात्पर्य है कि उच्च जोखिम की गर्भावस्था है। जिला स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सूचना अधिकारी ने बताया कि सीएचसी सिल्वर जुबली में कुल 90 गर्भवती की जांच हुई और 21 गर्भवती को अल्ट्रा साउंड के लिए ई–वाउचर दिए गए।

वहीं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश यादव ने बताया कि अभी तक पीएमएसएमए दिवस माह की नौ और 24 तारीख को मनाया जाता था लेकिन अब यह माह की एक और 16 तारीख को भी मनाया जाएगा। इस तरह से पीएमएसएमए दिवस अब माह में चार बार – 1, 9, 16 और 24 तारीख को मनाया जाएगा। कार्यक्रम में चिकित्सक, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रश्मि सिंह, और बीएमसी का स्टाफ मौके पर उपस्थित रहे।

गुड़वत्ता मानकों के अनुसार गेहूं की खरीद की जायेगी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि रबी विपणन वर्ष 2023–24 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत ग्राम के प्रधान का सक्रिय सहयोग प्राप्त करते हुए ग्राम पंचायतों में क्रय एजेन्सी बनाये जाने की व्यवस्था की गयी है, यदि कोई ग्राम पंचायत गेंहूँ खरीद के लिये खाद्य विभाग के अधीन एजेन्सी बनने के लिए इच्छुक है, तो प्रार्थना पत्र प्राप्त कर क्रय एजेन्सी नामित किये जाने हेतु नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करायी जायेगी तथा उक्त ग्राम पंचायत के सचिव को 02 दिवस में प्रशिक्षित किये जाने की कार्यवाही जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा पूर्ण करायी जायेगी। ग्राम पंचायत को एजेन्सी नामित किये जाने पर उनके द्वारा किये गये खरीद को भारतीय खाद्य निगम को प्राप्त कराय जायेगा। गेंहूँ की खरीद भारत सरकार के आदेशानुसार निर्धारित धनराशि 27 रूपये प्रति कु0 कमीशन देय होगा। गुणवत्ता मानकों के अनुसार गेहूँ की खरीद की जायेगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार ही गेंहूँ खरीद सुनिश्चित करायी जायेगी।

बैंकर्स समिति की बैठक 17 म ई से 15 जून तक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अग्रणी जिला प्रबन्धक ने जानकारी देते हुए बताया कि बी0एल0बी0सी0 त्रैमासधविकास खण्ड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक 17 मई से 15 जून,2023 तक होना निर्धारित की गयी है, उन्होंने बताया कि 15 मई, 202 को नगवॉ की बैठक विकास खण्ड नगवां में सायं 03.30 बजे से की जायेगी। इसी प्रकार से 18 मई, 2023 को चतरा की बैठक विकास खण्ड चतरा में सायं 03.30 बजे से, 19 मई, 2023 को राबर्ट्सगंज की बैठक विकास खण्ड राबर्ट्सगंज में सायं 03.30 बजे से, 22 मई, 2023 को घोरावल की बैठक विकास खण्ड घोरावल में सायं 03.30 बजे से, 23 मई, 2023 को करमा की बैठक आर्यावर्त बैंक, करमा शाखा में सायं 03.30 बजे से, 25 मई, 2023 को बभनी की बैठक विकास खण्ड बभनी में सायं 03.30 बजे से, 29 मई, 2023 को चोपन की बैठक विकास खण्ड चोपन में सायं 03.30 बजे से, 01 जून, 2023 को दुद्धी की बैठक विकास खण्ड दुद्धी में सायं 03.30 बजे से, 08 जून, 2023 को कोन की बैठक इण्डियन बैंक कोन शाखा में सायं 03.30 बजे से व 15 जून, 2023 को म्योरपुर की बैठक इण्डियन बैंक, रेनुकूट शाखा में सायं 03.30 बजे से किया जाना निर्धारित की गयी है।

बी.बी.ए. यू. के छात्रो ने बैक्टीरियल कंक्रीट पर किया शोध

लखनऊ। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के छात्रों ने बैक्टीरियल कंक्रीट बनाई है। जिसमें खुद को रिपेयर करने की क्षमता होगी। शोध करने वाली टीम के सदस्यों ने बताया कि कंक्रीट के निर्माण में उच्च क्षारीय वातावरण में रहने वाले 4 विभिन्न प्रकार के जीवाणुओं को, मिट्टी के छरों के अंदर पाए जाने वाले पोषक तत्व, कैल्सियम लैक्टेट के साथ समाहित किया गया। जो कंक्रीट की बनावट में आई खाली रिक्तियों को भरती है। और इसे अधिक सुदृढ़ बनाती है। जिससे यह साधारण कंक्रीट की तुलना मे 5 से10: तक अधिक मजबूत होता है। और इसकी लागत भी कम है।यह शोध सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र अभिनव मूलवंशी, शुभम खरे, लव कुमार, निधि गोयल, प्रतिक्षा सोनकर ने किया।

बूथों पर लगे जवानों को शान्ति पूर्वक मतदान कराने के दिये गये निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 को सकुशल

संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत डॉ0 यशवीर, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सहित समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा लगातार भ्रमणशील रहते हुए पोलिंग पार्टी रवानगी स्थलों पर सुरक्षाध्यातायात व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए जा रहे हैं। यातायात प्रभारी को पोलिंग पार्टियों के निर्धारित मार्ग से जाने हेतु यातायात ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को यातायात सुगम बनाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गये। समस्त पोलिंग पार्टियां अपने–अपने गंतव्यस्थल को सकुशल रवाना हो रही हैं।

मिट्टी खनन से टूटी सड़कें जिम्मेदार मौन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बृजमनगंज(हरपुर)महाराजगंज। अवैध मिट्टी खनन के अंतर्गत ग्राम सभा दुबौलिया के टोला हरपुर से होकर मामी चौराहे की तरफ जाने वाली सड़क ट्रैक्टर ट्राली के आवागमन से टूट गई है जिससे आवागमन में बाधा व दुर्घटना को भी दावत दे रही है ,लेकिन जिम्मेदार चुप्पी साधे हुए है। मिली जानकारी के अनुसार समाज सेवी दिनेश यादव ने मीडिया से बात चीत करने पर बताया कि हमलोग के गाँव के निवासी एकदम परेशान हो रहे धूल और मिट्टी इतनी उड़ रही है कि जीना दुष्वार हो गया।लेकिन कानून के द्वारा भी कोई कार्यवाही नही की जा रही है।जिसमे दिनेश,ग्रिजेश, मनीष व अन्य लोग उपस्थित रहे।

कब्जे से चोरी की 42 मीटर बिजली का तार बरामद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में वाहन चोरी पर प्रभावी रोकथाम लगाने घटनाओं के शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 10. म ई को थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा सुरेश कबाड़ी की दुकान जमशीला से चोर गिरोह के 03 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 42 मीटर चोरी की एल्यूमिनियम का बिजली का मोटा तार वजन लगभग 50 किग्रा0 बरामद किया गया। उक्त के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–65ध2023 धारा 41, 414, 411 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की गयी ।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अगर आप भी हैं टमाटर खाने के शौकीन, तो जरा संभल जाएं...सिर्फ फायदे ही नहीं इसके नुकसान भी हैं

हम में से ज्यादातर लोगों को टमाटर खाना बहुत पसंद होता है. हो भी क्यों ना, सब्जी हो या सलाद टमाटर के बिना सब अधूरे हैं. हालांकि ये तो आपने सुना ही होगा कि अति किसी भी चीज की नुकसानदायक हो सकती है. ठीक इसी तरह टमाटर खाना जितना फायदेमंद है जरूरत से ज्यादा खाना उतना ही नुकसानदायक. दरअसल टमाटर में विटामिन, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे कई न्यूट्रिएंट्स होते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद तो होते हैं लेकिन अगर इन्हें ज्यादा मात्रा में लिया जाए तो यह नुकसान भी कर सकते हैं. तो देर न करते हुए चलिए आपको बताते हैं टमाटर के ज्यादा सेवन से क्या नुकसान हो सकते हैं.

बढ़ सकती है एसिडिटी

टमाटर विटामिन सी की मात्रा से भरपूर होते हैं इसलिए टमाटर में अधिक प्रॉपर्टी भी होती है. इसलिए जरूरत से ज्यादा टमाटर का सेवन करने से एसिडिटी की दिक्कत हो सकती है. टमाटर को एक लिमिटेड क्वांटिटी में ही खाना चाहिए.

गैस की समस्या

अगर आप पेट में गैस बनने की समस्या से परेशान रहते हैं तो टमाटर का ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए. दरअसल टमाटर पेट में गैस बनने का एक बड़ा कारण बन सकता है. इसलिए गैस की समस्या से बचना है तो टमाटर सीमित मात्रा में ही खाएं.

हो सकती है पथरी

पथरी के मरीजों को गलती से भी टमाटर नहीं खाना चाहिए. दरअसल टमाटर के बीजों की वजह से पथरी बढने की दिक्कत हो सकती है. वहीं अगर टमाटर खाते भी है तो उनका बीज अलग करके खाएं.

सीने में जलन

टमाटर जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक हो सकता है अगर आप इसे ज्यादा मात्रा में खाते कई लोगों को सीने में जलन महसूस हो सकती है, क्योंकि टमाटर में विटामिन सी होता है जिससे गैस की समस्या बढ़ सकती है और सीने में जलन जैसी समस्या हो सकती है. अगर आप ज्यादा टमाटर खाना पसंद करते हैं तो अभी सावधान हो जाएं.

भारत में हॉरर–थ्रिलर जॉनर के साथ न्याय नहीं हुआ है : गुल पनाग

हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग शॉर्ट फिल्म द हॉन्टिंग में अपने काम के लिए सराहना बटोर रहीं एक्ट्रेस गुल पनाग का मानना है कि भारत में हॉरर जॉनर को अभी अपनी वास्तविक क्षमता तक पहुंचना बाकी है। एक्ट्रेसक ने शॉर्ट फिल्म में एक मनोचिकित्सक

की भूमिका निभाई है, जिसमें एरिका फर्नांडीस और प्रकृति मिश्रा भी हैं। हॉरर शॉर्ट फिल्म मौसमी नाम की एक लड़की के इर्द–गिर्द घूमती है, जिस पर भूतों का साया है और उस पर अपने सबसे करीबी दोस्त की हत्या का आरोप है। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित बताई जा रही है और इसका निर्देशन तनवीर बुकवाला ने किया है।

हॉरर जॉनर पर अपने विचार साझा करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, हॉरर–थ्रिलर जॉनर पर मेरे दो विचार हैं, पहला अभिनेता के रूप में और दूसरा एक दर्शक के रूप में। एक अभिनेता के रूप में मेरा विचार है कि हमने भारत में हॉरर–थ्रिलर जॉनर के साथ न्याय नहीं किया है। हमने एक ही तरह का हॉरर–थ्रिलर जॉनर किया है। जबकि इसका दायरा काफी बड़ा है।

उन्होंने कोरियाई और जापानी हॉरर के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोर डाला, जिसने पूरी दुनिया में मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा, देखिए बाकी दुनिया क्या कर रही है। कोरियाई अपनी हॉरर जॉनर के साथ क्या कर रहे हैं। जापानी आगे हैं। बेशक, हॉलीवुड ने लंबे समय तक अविश्वसनीय हॉरर किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि हॉरर में परफॉर्मेस करने की गुंजाइश, इंक्रेडिबल विजुअल इफेक्ट्स वाली फिल्मों का हिस्सा बनने की गुंजाइश बहुत बड़ी है।

उन्होंने आगे कहा, अब, एक दर्शक के रूप में मुझे व्यक्तिगत रूप से डरावनी फिल्में देखने से डर लगता है। अगर आप शानदार फिल्में बनाते हैं, तो दर्शक डर जाएंगे, जो एक डरावनी फिल्म का प्रमुख लक्ष्य है। द हॉन्टिंग फिलहाल अमेजन मिनी टीवी पर उपलब्ध है।

दुनियाभर में बजा पोन्नियिन सेल्वन 2 का डंका, वर्ल्डवाइड पार किया 300 करोड़ का जादुई आंकड़ा

पोन्नियिन सेल्वन 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. अपनी रिलीज के बाद से फिल्म ने अब तक 300 करोड़ रुपए से

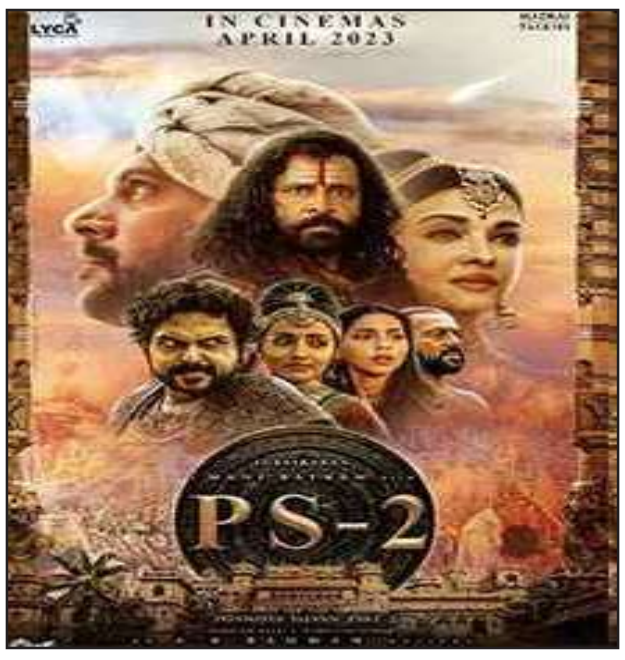

ज्यादा की कमाई की है. इस बात की जानकारी प्रोडक्शन बैनर लाइका प्रोडक्शंस ने अपने ट्विटर के माध्यम से दी है. लाइका प्रोडक्शंस ने 8 मई को अपने एक ट्वीट में कुछ पोस्टर्स शेयर करते हुए लिखा, प्तपीएस 2 ने 300 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन के साथ दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी हासिल करना जारी रखा है. 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. इस मामले में फिल्म ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी जान को भी मात दे दी है. निर्माता मणिरत्नाम और ऐश्वर्या राय बच्चन स्टारर फिल्म पीएस–2 साल 2022 में आई पोन्नियिन सेलवन की ही सीक्वल है. पोन्नियिन सेलवन लेखक कल्कि कृष्णमूर्ति के तमिल उपन्यास पोन्नियिन सेल्वन का ही सिनेमाई रूपांतरण है.

पोन्नियिन सेल्वन 2 में ऐश्वर्या राय, विक्रम, त्रिशा कृष्णन, कार्तिक और जयम रवि अहम किरदार में हैं. फैंस ने ऐश्वर्या के काम को खूब सराहा है और विक्रम के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी काफी पसंद किया है. फिल्म की कहानी की बात करें तो फिल्म में ऐश्वर्या राय ने डबल रोल निभाया है. पीएस 2 को तमिल, हिंदी और तेलुगु में डब करके रिलीज किया गया था. सीक्वल होने के बावजूद फिल्म ने अपने पहले भाग से कई गुना बेहतर प्रदर्शन किया है. पहले भाग ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था. वहीं अब 12 दिनों के अंदर ही पीएस 2 ने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है.

बता दें कि अब फिल्म पोन्नियिन सेलवन 2 जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है. जानकारी के मुताबिक 28 जून 2023 को फिल्म अमेजन प्राइम पर रिलीज की जाएगी. हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है.

लिजा मलिक ने दिल्ली में डिजाइन किया अपना घर, बोलीं : यह निजी स्पर्श देता है

अभिनेत्री और गायिका लिजा मलिक ने इंटीरियर डिजाइनिंग में अपनी रुचि और दिल्ली में अपने घर की डिजाइनिंग के बारे में बात की। अपने दम पर आंतरिक सज्जा करने के बारे में उन्हें सबसे ज्यादा क्या पसंद है, इस बारे में साझा करते हुए लिजा ने कहा रू अपने घर को डिजाइन करने के फायदों में से एक यह है कि हम हर चीज से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। मुझे अपने घर को सजाना और अपने घर को स्टाइल से भरना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि वह बिना किसी दखल के अपनी पसंद से सब कुछ डिजाइन कर सकती हैं। लिजा ने श्तोरबाज्य से बॉलीवुड में कदम रखा और श्कॉमेडी क्लासेस्त्य, श्कॉमेडी सर्कस्त्य, श्भाग बकूल भाग्य जैसे टीवी शो में काम किया। अभिनेत्री ने कहा कि जब कोई घर को सजाता है तो हर चीज में एक भावनात्मक स्पर्श होता है जो पेशेवर इंटीरियर डिजाइनरों के साथ संभव नहीं है। उन्होंने कहा, मैं इसे अपने दम पर करना पसंद करती हूं और मेरा मानना है कि यह अनावश्यक महंगी वस्तुओं की तुलना में कहीं बेहतर सजावट को एक व्यक्तिगत स्पर्श देती है। यह एक शानदार अनुभव था और मैं अपने काम से पूरी तरह खुश हूं।

पाइल्स का जड़ से खात्मा करेगा केला, जानिए कब और कितने केले खाने से मिलेगा फायदा

किसी को अगर पाचन संबंधी समस्या हो जाए, तो ये उसके लिए बड़ी परेशानी का सबब बन जाता है. पाइल्स या कहें बवासीर खासतौर पर किसी के लिए भी बहुत खराब हो सकता है. पाइल्स की ज्यादातर समस्या तब शुरू होती है, जब डाइट में फाइबर और पानी की कमी होने लगती है. इसकी वजह से कब्ज होता है और ये बीमारी बढ़ते–बढ़ते पाइल्स का रूप धारण कर लेती है. कई सारे घरेलू तरीकों से पाइल्स का इलाज किया जाता है. इसमें केला खाना सबसे लाभकारी ऑप्शन में से एक माना जाता है.

पाचन संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए ताजे फलों और सब्जियों को सबसे अच्छा माना जाता है. इनके सेवन से डाइजेस्टिव सिस्टम और मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है. पेट में खाना नहीं पचने की वजह से भी बवासीर हो सकता है. आयुर्वेदिक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, केले को एक ऐसे फल के तौर पर जाना जाता है, जो कब्ज के लिए रामबाण है. कब्ज की वजह से बवासीर की शुरुआत होती है. ऐसे में अगर पाइल्स का इलाज करना है, तो केले को इस्तेमाल करने का सही तरीका जानना जरूरी है.

कैसे करें केले का इस्तेमाल?: अगर किसी को लंबे समय से कब्ज है, तो इसकी वजह से उसके मलाशय और गुदा में नसों में सूजन आ जाती है, जो बवासीर का कारण बनते हैं. ऐसा होने पर उस व्यक्ति को काफी दर्द सहना पड़ता है. बवासीर यानी पाइल्स से निपटने के लिए घरेलू उपचार और मेडिकल ट्रीटमेंट दोनों ही उपलब्ध हैं. हालांकि, अगर आप अपनी डाइट को ठीक ढंग से बरकरार रखते हैं, तो इस समस्या से निपटा जा सकता है.

शरीर में पानी और फाइबर की मात्रा का होना बहुत जरूरी है. यही वजह है कि कब्ज से निपटने के लिए सबसे जरूरी फल केला होता है. इसमें नेचुरल लैक्सेटिव होते हैं, जो कब्ज को दूर भगाते हैं. अगर कोई बवासीर से परेशान है, तो वह केले का सेवन कर सकता है. इससे उसके पेट को आराम मिलेगा और मल त्यागना आसान हो जाएगा. इस दौरान दर्द का सामना भी नहीं करना पड़ेगा.

केले के भीतर कई सारे एंटीबायोटिक गुण भी होते हैं, जो बवासीर की वजह से प्रभावित हुए हिस्से में बैक्टीरिया को खत्म करने का काम करते हैं. बवासीर से निपटने के लिए हमेशा पका हुआ केला खाना चाहिए. एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने से पहले दो केले खाना और फिर फाइबर युक्त भोजन करना बवासीर से निपटने का सही तरीका है. इसके साथ ही भरपूर पानी पीना भी जरूरी है.